आज का विचार

जीवन में किए गए अच्छे कर्म समय के साथ अवश्य लौटते हैं कभी अवसर बनकर तो कभी आशीर्वाद बनकर।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | शुक्रवार, 29 मई, 2026 | वर्ष 24, अंक 129, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

डा. अर्चना गुप्ता हरियाणा की नई भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने जारी किया नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर डा. अर्चना गुप्ता को लड्डू खिलाकर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/पानीपत

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने गुरुवार को प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता को भाजपा हरियाणा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की ओर से पत्र भी जारी कर दिया गया है। डा. अर्चना गुप्ता के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर महिलाओं सहित भाजपा कार्यकताओं में खुशी और उत्साह है। प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर डा. अर्चना गुप्ता ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल सहित पूरे संगठन का दिल की गहराईयों से धन्यवाद किया और आभार जताया। नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि हरियाणा में भाजपा का संगठन काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि सभी धर्म, सम्प्रदाय, जाति, वर्ग सहित कार्यकताओं को साथ लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाना मेरी प्राथमिकता रहेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महिला सशक्तिकरण पर काम करना मेरी सबसे ज्यादा प्राथमिकता है, ताकि महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में अधिक से अधिक भागीदारी हो सके। नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता 9 सितंबर 2015 को पानीपत जिला महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बनीं। जून 2017 में जिला जनसंपर्क और शिकायत निवारण समिति सदस्य नियुक्त किया गया। उन्होंने 13 अगस्त 2019 को पानीपत जिला अध्यक्ष का दायित्व मिला और वे 5 जनवरी, 2024 तक जिला अध्यक्ष के पद पर रहीं। इसके बाद भाजपा नेतृत्व ने 5 जनवरी 2024 को डा. अर्चना गुप्ता को संगठन में प्रदेश महामंत्री की बड़ी जिम्मेदारी दी।

डा. अर्चना गुप्ता वर्तमान में अग्रवाल संगठन हरियाणा में सचिव , राष्ट्रीय सेविका समिति की सदस्य, भारत विकास परिषद की सदस्य हैं। सक्रिय राजनीति में आने से पहले से ही डा. अर्चना गुप्ता 2014 से विश्व हिंदू परिषद की भारतीय स्वास्थ्य रेखा की हरियाणा उपाध्यक्ष हैं। 2013 से 2014 तक डा. अर्चना गुप्ता ने विश्व हिंदू परिषद की मेडिकल सेल की सह-संयोजक की जिम्मेदारी भी संभाली है। डा. अर्चना गुप्ता पेशे से गोल्ड मेडलिस्ट डाक्टर हैं। उन्होंने वर्ष 1990 एमबीबीएस, पीजीआईएमएस, 1994 में एमडी, रेडियो डायग्नोसिस (पीजीआईएमएस, रोहतक) से की। वे चिकित्सा सोसाइटी, उत्तर चौप्टर की

संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) और भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) की आजीवन सरदस्य भी हैं। उन्होंने अपने 31 वर्षों की प्रैक्टिस में 5 लाख से अधिक महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लड्डू खिलाकर डा. अर्चना गुप्ता को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

डा. अर्चना गुप्ता के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया के जरिए डा. अर्चना गुप्ता को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। पानीपत में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर डा. अर्चना गुप्ता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटियों और मातृशक्ति को आगे बढ़ाने के संकल्प को डा. अर्चना गुप्ता के प्रदेश अध्यक्ष बनने से नई मजबूती मिलेगी। संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर मुख्यमंत्री ने डा. अर्चना गुप्ता को लड्डू खिलाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर डा. अर्चना गुप्ता को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के मार्गदर्शन में डा. अर्चना गुप्ता का व्यापक संगठनात्मक अनुभव, समर्पित कार्यशैली एवं मजबूत नेतृत्व क्षमता निश्चित रूप से संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करेगा। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने डॉ. अर्चना गुप्ता जी को भाजपा हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि डा. अर्चना गुप्ता के मार्गदर्शन में हरियाणा में भाजपा अंत्योदय एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगी। ओम प्रकाश धनखड़ ने गुप्ता के बधाई देते हुए कहा कि डा. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में संगठन नई ऊचाईयां प्राप्त करें और हरियाण में राष्ट्रवाद एवं जनसेवा की भावना और अधिक मजबूत हो।

हमारी सरकार का संकल्प, देशभर से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा : शाह

शाह ने उमियाधाम के अत्याधुनिक हॉस्टल का किया उद्घाटन, वीर सावरकर को भी किया याद

एजेंसी (हि.स.)

अहमदाबाद

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने पश्चिम बंगाल चुनाव में जो वादे किए थे, उसके अनुसार बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग और सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि देशभर से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शाह अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को अहमदाबाद के एस.जी. हाइवे स्थित सोला उमियाधाम कैंपस में पाटीदार समाज के युवाओं के लिए नवनिर्मित जे.एस. पटेल कुमार छात्रावास और तपस्वीकुमार पटेल कन्या छात्रावास के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश के 80 प्रतिशत भूभाग पर भाजपा का शासन है। हमने पश्चिम बंगाल चुनाव में जो वादे किए थे, उसके अनुसार बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग और सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल सरकार ने सात दिनों में 600 हेक्टेयर जमीन बीएसएफ को सौंप दी है। हमारी सरकार का संकल्प है कि देशभर से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ह्यडेमोग्राफी चेंज कमीशनह्न की स्थापना कर रही है, जो एक वर्ष में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा और अवैध जनसंख्या संतुलन को रोकने के लिए नए कानून की दिशा में काम करेगा।

गृहमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को याद करते हुए कहा, आज वीर सावरकर की जयंती है। वे ऐसे प्रखर राष्ट्रभक्त थे जिन्हें किसी सरकारी सम्मान की आवश्यकता नहीं थी। देश का बच्चा-बच्चा उन्हें वीर सावरकर के नाम से जानता है। अंग्रेजों ने उन्हें एक ही जीवन में दो बार आजीवन कारावास की सजा दी थी। उन्होंने जेल की दीवारों पर अपने खून से कविताएं लिखीं और समाज में अस्पृश्यता के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्य किए।

उन्होंने कहा कि करीब 4.33 लाख वर्गफुट क्षेत्र में बने इस अत्याधुनिक हॉस्टल में उच्च शिक्षा के लिए आने वाले लगभग 1600 विद्यार्थियों को रहने और भोजन की फाइव स्टार जैसी स्मार्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही यूपीएससी-जीपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विश्वस्तरीय शैक्षणिक वातावरण भी मिलेगा। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉस्टल प्रोजेक्ट में 2,16,807 वर्गफुट की बॉयज हॉस्टल और 2,19,807 वर्गफुट की गर्ल्स हॉस्टल बनाई गई है। दोनों मिलाकर कुल 4,33,914 वर्गफुट क्षेत्र में यह विशाल परिसर तैयार किया गया है।

ऊंझा कड़वा पाटीदार समाज के उमिया माताजी संस्थान द्वारा तैयार किए गए इस मेगा प्रोजेक्ट के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित पाटीदार समाज के वरिष्ठ नेता और कई गणमान्य उपस्थित रहे।

आप सरकार ने प्रदेश के खेतों तक 21,000 क्यूसिक पानी पहुंचाया: भगवंत मान

यज्ञांश शर्मा

सीचेवाल (जालंधर)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज संत बाबा अवतार सिंह जी की 38वीं सालाना बरसी संबंधी आयोजित समागम के दौरान गांव सीचेवाल में माथा टेका। इस मौके पर एक प्रगतिशील और आत्मनिर्भर पंजाब का सपना देखते हुए भगवंत सिंह मान ने राज्यसभा सदस्य संत बलवीर सिंह सीचेवाल के साथ संत अवतार सिंह मेमोरियल हॉकी स्टेडियम में एक नए एस्ट्रोटर्फ का उद्घाटन किया। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की ओर से खेल बुनियादी ढांचे, सिंचाई, भूजल रिचार्ज और लोक कल्याण संबंधी किए गए उपायों को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार ने खेतों तक 21,000 क्यूसिक पानी पहुंचाया है, जो दो भाखड़ा नहरों के बराबर है। पर्यावरण अनुकूल उपायों से 21 लाख क्यूबिक मीटर पानी भूमिगत रिचार्ज करने में मदद मिली है, जिससे कई क्षेत्रों में पानी के स्तर में 2 से 4 मीटर की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब विश्व स्तरीय सरकारी स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और खेल सुविधाओं के माध्यम से तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि एक जीवंत ׀रंगला पंजाब׀ के रंग अब पूरे राज्य में दिखने शुरू हो गए हैं। इस मौके पर भारी भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब की धरती बहुत उपजाऊ है और यहां नफरत और वैर के अलावा सब कुछ उग सकता है। पंजाब महान गुरुओं, संतों और पैगंबरों की पवित्र धरती है, जिन्होंने हमें आपसी प्यार और सहिष्णुता का रास्ता दिखाया है। लोगों के बीच सामाजिक ताने-बाने पहले से ही बहुत मजबूत हैं और इसे और मजबूत करने के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा, यह सही समय है कि पंजाबी एकजुट होकर फूट डालने वाली ताकतों को उचित जवाब दें जो राज्य की शांति, सद्भावना और भाईचारे की साझेदारी को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। जो लोग भाईचारे की सद्भावना को भंग करने की कोशिश कर रहे हैं, वे पंजाब के दुश्मन हैं क्योंकि वे राज्य को फिर से अंधेरे में धकेलना चाहते हैं। ये ताकतें सांप्रदायिक झगड़ा पैदा कर-के सत्ता हासिल करना चाहती हैं, लेकिन उनकी संकीर्ण चालें सफल नहीं होंगी क्योंकि पंजाब के लोग हर मौके पर एकजुट रहते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, अगर दोषी जुमार्ना नहीं भर सकता, तो उनकी संपत्ति जब्त की जा सकती है ताकि आने वाली पीढ़ियां गुरु साहिब का निरादर करके लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के परिणामों को याद रखें। यह कानून एक रोकथाम के रूप में काम करेगा और भविष्य में कोई भी ऐसा घिनौना अपराध करने की हिम्मत नहीं करेगा। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हर सिख के लिए पिता का दर्जा रखते हैं और इसकी पवित्रता सुनिश्चित करना फर्ज है।

सरकार के अथक प्रयासों से 21 लाख क्यूबिक मीटर भूजल रिचार्ज हुआ है और पानी के स्तर में 2 से 4 मीटर की बढ़ोतरी हुई हैः मुख्यमंत्री

चावल उत्पादन में चीन को पछाड़ कर भारत बना नंबर वन: शिवराज

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि वर्ष 2025-26 में देश का कुल अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन 3,765.63 लाख टन तक पहुंच गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 188 लाख टन अधिक है। वहीं, चावल उत्पादन में भारत ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि चावल का उत्पादन 1,540.24 लाख टन तक पहुंच गया है और चीन को पछाड़ कर अब दुनिया में भारत नंबर वन बन गया है। उन्होंने बताया कि गेहूं का उत्पादन 1,206.57 लाख टन और मक्का का उत्पादन 550.92 लाख टन दर्ज किया गया है जो अपने आप में रिकॉर्ड स्तर है।

दिल्ली स्थित पूसा परिसर में गुरुवार को खरीफ सम्मेलन से संबंधित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की आजीविका को बेहतर बनाना और देशवासियों को पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूसा में शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय खरीफ अभियानझ्र2026 में देशभर के कृषि मंत्री, वैज्ञानिक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हो रहे हैं। आईसीएआर, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि भी इस महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा बने हैं। सम्मेलन में खरीफ सीजन की तैयारी को लेकर दो दिनों तक विस्तार से चर्चा और समीक्षा की जाएगी। इसका उद्देश्य किसानों को बेहतर योजना, बेहतर तकनीक और बेहतर समर्थन मिले। इस मौके पर शिवराज चौहान ने कहा कि केवल खाद्यान्न ही नहीं बल्कि तिलहन उत्पादन में भी देश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष तिलहन का संभावित उत्पादन 430.59 लाख टन रहने का अनुमान है। इसमें मूंगफली का उत्पादन 130.74 लाख टन और रेपसीड-सरसों का उत्पादन 137.68 लाख टन तक पहुंच गया है जो रिकॉर्ड स्तर है।

सीबीएसई विवाद के लिए धर्मेंद्र प्रधान जिम्मेदार : राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर विवाद के लिए सीधे तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जिम्मेदार ठहराया है।

राहुल ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस मामले की चाहे जांच की गई हो या न की गई हो, दोनों ही स्थितियों में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। यदि प्रधानमंत्री को विद्यार्थियों की चिंता होती तो वे मंत्री को बहुत पहले ही पद से हटा देते। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान के लगातार चुनावी हार की कुंठा वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधान चाहे उन पर जितना भी हमला करें, इससे 18.5 लाख विद्यार्थियों के लिए जवाब मांगना बंद नहीं करेंगे।

राहुल ने सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली का ठेका 'सीओएमपीईटी' कंपनी को दिए जाने पर सवाल उठाया, जो पहले ग्लोबेरेना नाम से विवादों में रही है। उन्होंने पूछा- यह किसके आदेश पर हुआ, कोई पृष्ठभूमि जांच क्यों नहीं की गई और कंपनी प्रबंधन का सरकार से क्या संबंध है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले प्रधान ने सीबीएसई अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते कहा था कि राहुल गांधी चुनावी हार की कुंठा के कारण देश की वैज्ञानिक प्रगति का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस प्रणाली में हुई किसी भी असुविधा की जिम्मेदारी वे स्वयं लेते हैं। सीबीएसई ने इस मामले पर अपना जवाब दिया है जो भारत सरकार की खरीद नीति के अनुरूप है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

प्रदेश की इलेक्ट्रिक बसों में विद्यार्थियों को उपलब्ध होगी बस-पास सेवा: नायब सिंह सैनी

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा में ग्रीन पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को नई दिशा देते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को पानीपत में इलेक्ट्रिक बस डिपो का उद्घाटन किया तथा 80 इलेक्ट्रिक सिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पानीपत की ऐतिहासिक और पावन धरती से आज हरियाणा में स्वच्छ, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था के नए युग की शुरूआत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरवार को रवाना की गई 80 इलेक्ट्रिक बसों में पानीपत के लिए 40, यमुनानगर के लिए 15, कुरुक्षेत्र और सोनीपत के लिए 10-10 तथा पंचकूला के लिए 5 बसें शामिल हैं। यह केवल बसें नहीं हैं, बल्कि हरियाणा के स्वच्छ, सुगम और आधुनिक भविष्य की नई शुरूआत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पानीपत में लगभग 7 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बस डिपो तैयार किया गया है। इसके अलावा प्रदेश के 8 अन्य जिलों में भी इलेक्ट्रिक बस डिपो निमार्णाधीन हैं, जहां बसों की चार्जिंग की आधुनिक व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाएगी। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को ह्यग्रीन इंडियाह्न, ह्यनेट जीरोह्न और ह्यसस्टेनेबल डेवलपमेंटह्न का विजन दिया है। पूरी दुनिया आज पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन एनर्जी की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने का आान किया है और हरियाणा सरकार उसी सोच को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बस सेवा से पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण में कमी आएगी तथा लोगों को सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक यात्रा सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सिटी बस सर्विस लिमिटेड शहरी जीवन को अधिक सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। हाल ही में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत परिवहन सेवाओं के अगले पांच वर्षों के रोडमैप की समीक्षा की गई है। तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों को देखते हुए शहरों में लोकल बसों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बसों को रेलवे की तर्ज पर ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ने पर भी कार्य कर रही है, जिससे यात्री मोबाइल ऐप के माध्यम से बसों की लोकेशन और आगमन समय की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही एक वर्ष के भीतर 10 नए इलेक्ट्रिक बस स्टैंड बनाए जाएंगे तथा भविष्य में अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले और शहर में अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी तथा प्रदेश में पीपीपी मोड पर ट्रैफिक स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पानीपत, यमुनानगर, करनाल, पंचकूला और रोहतक सहित 10 बड़े शहरों में सिटी बस सेवा उपलब्ध है। पहले से चल रही 75 ई-बसों में आज 80 नई बसें शामिल होने के बाद कुल संख्या 155 हो गई है।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि लगभग 7 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से तैयार यह आधुनिक इलेक्ट्रिक बस डिपो सरकार की दूरदर्शी सोच और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार परिवहन सुविधाओं को मजबूत करने का कार्य कर रही है और इसका लाभ आम जनता को मिल रहा है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों का संचालन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल है। इन बसों के संचालन से लाखों किलो कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और प्रदूषण नियंत्रण को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज , समालखा विधायक श्री मनमोहन भड़ाना, बीजेपी की प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूलों की स्थापना में तेजी लाए शिक्षा विभाग: मुख्यमंत्री सुक्खू

कहा, शिक्षकों की कमी होगी दूर, अंतरराष्ट्रीय स्तर का मिलेगा एक्सपोजर और शैक्षणिक भ्रमण

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया है कि ये राजीव गांधी मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल केवल सामान्य स्कूल नहीं होंगे, बल्कि इन्हें अत्याधुनिक शिक्षा केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन स्कूलों में बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है।

इन स्कूलों में प्री-प्राइमरी (नर्सरी/केजी) से लेकर 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई एक ही परिसर में होगी। इससे बच्चों को बार-बार स्कूल बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सभी कक्षाओं को 'स्मार्ट क्लासरूम' में बदला जाएगा, जहां ऑडियो-विजुअल एड्स और आधुनिक तकनीक के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। इसके अलावा अत्याधुनिक विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाएं (लैब्स) स्थापित की जा रही हैं। खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बड़े खेल के मैदान, इनडोर स्टेडियम और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। सरकार का मानना है कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी प्रदेश के बच्चे आगे रहें। राज्य के 156 मौजूदा सरकारी स्कूलों को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (उइरए) पाठ्यक्रम से जोड़ा जा रहा है। इन स्कूलों में आर्ट्स (कला), साइंस (विज्ञान) और कॉमर्स (वाणिज्य) तीनों संकायों (स्ट्रीम्स) की शुरूआत की जा रही है, ताकि ग्रामीण छात्रों को अपनी पसंद का विषय चुनने के लिए दूर न जाना पड़े। सरकारी स्कूलों में शिक्षा के गिरते स्तर और शिक्षकों की कमी की समस्या से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ने एक ठोस कार्ययोजना साझा की है। सरकार का पूरा ध्यान इस बात पर है कि खाली पदों की वजह से बच्चों की पढ़ाई का नुकसान न हो। शिक्षा विभाग को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के खाली पड़े पदों को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत भरा जाए। तर्कसंगत तरीके से शिक्षकों की तैनाती की जा रही है ताकि दूरदराज के क्षेत्रों में भी शिक्षकों की उपलब्धता बनी रहे। सरकारी स्कूलों के अध्यापकों को दुनिया की बेहतरीन और आधुनिक शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए विदेशों में 'एक्सपोजर विजिट' पर भेजा जा रहा है। वहां की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं और शिक्षण तकनीकों को सीखकर शिक्षक वापस हिमाचल के स्कूलों में लागू करेंगे। केवल शिक्षक ही नहीं, बल्कि सरकारी स्कूलों के होनहार और मेधावी विद्यार्थियों को भी राज्य सरकार अपने खर्च पर विदेशी शैक्षणिक दौरों पर भेज रही है। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और उन्हें वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों को समझने का मौका मिलेगा।

परफॉर्मेंस ग्रेडिंग और राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन

शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे इन निरंतर सुधारों का असर अब राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों और रिपोर्टों में भी साफ दिखने लगा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी हालिया रिपोर्टों में हिमाचल प्रदेश ने देश के बड़े राज्यों को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थानों में अपनी जगह बनाई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की इस प्रतिष्ठित रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश ने गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा देने के मामले में पूरे देश में छठा स्थान हासिल किया है। प्रदेश के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है क्योंकि इससे पहले हिमाचल प्रदेश की राष्ट्रीय रैंकिंग 13वें स्थान पर थी। इस प्रकार राज्य ने सीधी 7 अंकों की छलांग लगाई है। सभी राज्यों की कुल श्रेणी की बात करें, तो हिमाचल ने अपना तीसरा स्थान मजबूती से सुरक्षित रखा है। इस राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में भी हिमाचल प्रदेश की प्रगति ऐतिहासिक रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 के सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश देश भर में 21वें स्थान पर खिसक गया था। लेकिन सरकार के प्रयासों और नए सुधारों के बाद, वर्ष 2025 की रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल होने में कामयाब रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का अंतिम उद्देश्य शिक्षा के बजट को सही जगह निवेश करके एक ऐसा माहौल तैयार करना है, जहां गरीब से गरीब परिवार का बच्चा भी बिना किसी वित्तीय चिंता के कॉन्वेंट जैसी आधुनिक शिक्षा का लाभ सरकारी तंत्र के माध्यम से उठा सके। शिक्षा विभाग को इन सभी योजनाओं की समय-समय पर समीक्षा करने और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता न करने की हिदायत दी गई है।

कुल्लू सड़क हादसे में तीन की मौत, नौ घायल

एजेंसी (हि.स.)
कुल्लू

कुल्लू जिला मुख्यालय के साथ लगती लगघाटी में आज वीरवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा पेश आया है। यहां बढ़ई-बागन-पीज संपर्क मार्ग पर सवारियों से भरी एक टाटा सूमो टैक्सी जोकि बागन से कुल्लू मुख्यालय की तरफ आ रही थी, अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 अन्य सवारियां गंभीर रूप से घायल हुई हैं।

एसपी कुल्लू मदन लाल कौशल ने बताया कि मृतकों की पहचान कला देवी (40) पत्नी सुरेन्द्र, मैना देवी (37) पत्नी देवी सिंह व कला देवी पत्नी बुद्धि सिंह (40) के रूप में हुए है। घायलों की पहचान चालक जय सिंह (43), सावित्रा (45), अंजू (26), मुला देवी (39), कमला (35), अय्यांश (6), तारा ठाकुर (25), प्रोमिला देवी (35), व चैतरु (37) निवासी भेदार, तहसील व जिला कुल्लू के रूप में हुई है। हादसा उस दौरान हुआ जब सूमो टैक्सी (जिसमें चालक सहित 12 लोग सवार थे) लगघाटी के पहाड़ी मार्ग से गुजर रही थी। बढ़ई-बागन-पीज सड़क पर एक तीखे मोड़ पर चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिस कारण गाड़ी पहले पहाड़ी से जा टकराई ओर उसके बाद सड़क से नीचे सीधे खाई में लुढ़क गई। गाड़ी के खाई में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत हादसे की आवाज सुनी और मौके की तरफ दौड़े। घटना की सूचना मिलते ही सदर कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर सहित स्थानीय प्रशासन, कुल्लू पुलिस, दमकल विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीमें तुरंत एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंचीं। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। खाई गहरी होने के कारण घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस अधीक्षक मदनलाल कौशल ने कहा सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर रवाना कर दिया गया था। शवों को कब्जे में ले लिया गया है और सभी 8 घायलों को तुरंत रेस्क्यू कर क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंचाया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों और घायलों के परिवारों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के सही कारणों (तकनीकी खराबी या चालक की लापरवाही) की जांच की जा रही है। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही उपायुक्त अनुराग चंद्र शर्मा, एसपी मदन लाल भी मौका पर पहुंच गए। वहीं सूचना मिलते ही तहसीलदार अनिल कुमार अपने स्टाफ के साथ क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंच गए जहां उन्होंने मृतकों के परिवारों को 20 - 20 हजार रुपए, रेफर हुए दो घायलों को 10 - 10 हजार रुपए तथा घायलों को 5 - 5 हजार रुपए राहत राशि प्रदान की गई।

लेफ्टिनेंट कमलेश सेन बनीं कैप्टन ग्वालियर ओटीए में लहराया परचम

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

महाराज लक्ष्मण सेन मेमोरियल कालेज की एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट कमलेश सेन ने ग्वालियर स्थित आफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में आयोजित एनसीसी रिफ्रेशर कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिविर में देशभर से 132 महिला एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें कैप्टन रैंक से सम्मानित कर पदोन्नत किया गया।

इस कठिन प्रशिक्षण के दौरान आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कैप्टन कमलेश सेन ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उन्होंने शूटिंग में दूसरा और लेक्चर आईपी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और एक्स

शक्ति कार्यक्रमों में ग्रुप कैप्टन के रूप में अपने समूह का नेतृत्व किया। कैप्टन कमलेश सेन ने अपनी इस सफलता का विशेष श्रेय अपने पति डा. सुनील सेन के निरंतर सहयोग और प्रेरणा को दिया, जो हर कदम पर उनका मनोबल बढ़ाते रहे। साथ ही उन्होंने अपने 14 वर्षीय पुत्र अग्र सेन, पांच वर्षीया पुत्री अग्रन्या सेन के भावनात्मक सहयोग और कालेज की प्रेसिडेंट राधिका चोपड़ा व प्राचार्य डा. सुमन कटोच के मार्गदर्शन व प्रोत्साहन के लिए आभार जताया। इस उपलब्धि पर कालेज प्रबंधन, एनसीसी इकाई और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर व मनवाल पुलिस ने दो ड्रग तस्करों को किया गिरफ्तार अफीम व हीरोइन बरामद

जम्मू। चल रहे 'नशा मुक्त अभियान' के तहत नशा तस्करी के खिलाफ अपनी लगातार मुहिम जारी रखते हुए जम्मू ग्रामीण पुलिस ने झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं। पहली घटना में पीपी मनवाल की एक पुलिस टीम ने नथाल नाके पर नियमित नाका ड्यूटी करते समय एक कंटेनर मालवाहक वाहन (अशोक लेलैंड, पंजीकरण संख्या पीबी05एपी-4190) को रोका। यह वाहन उधमपुर-धार रोड से बड्डल की ओर आ रहा था। वाहन की तलाशी के दौरान वाहन के केबिन से लगभग 3 से 4 किलोग्राम अफीम के भूसे जैसा पदार्थ बरामद किया गया। वाहन चालक जिसकी पहचान विक्की पुत्र रतन सिंह निवासी हम बोवेल, नूरपुर लुम्भाना, कपूरथला, पंजाब के रूप में हुई है, इस प्रतिबंधित पदार्थ को अपने पास रखने के संबंध में कोई भी वैध स्पष्टीकरण देने में विफल रहा जिसके बाद झज्जर कोटली में एफआईआर संख्या 77/2026, एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/15 के तहत दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है। एक अन्य घटना में पीपी मनवाल की पुलिस टीम ने नथाल नाके पर जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल (पंजीकरण संख्या जेके14एल-3298, हीरो स्प्लेंडर) को रोका। यह मोटरसाइकिल बट्टल की तरफ से उधमपुर की ओर आ रही थी।

2.66 करोड़ की सड़क परियोजनाओं से बदलेगा जसरोटा का ग्रामीण नक्शा-राजीव जसरोटिया ने रखी विकास की मजबूत नींव

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

जसरोटा विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण ढांचे को सुदृढ़ करने और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विधायक राजीव जसरोटिया ने गुरुवार को लगभग 2.66 करोड़ की लागत से बनने वाली विभिन्न पीडब्ल्यूडी सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

इन परियोजनाओं में प्लाह मोड़ से टेड़ा सड़क (1.23 करोड़), प्लाह मोड़ से कुमरी वाया अंदरोट सड़क (60 लाख), हटली लिंक रोड (50 लाख) और होट लिंक रोड (33 लाख) शामिल हैं। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के दूरदराज गांवों में रहने वाले हजारों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। लोगों ने इन परियोजनाओं का स्वागत करते हुए कहा कि ये सड़कें लंबे समय से उनकी मांग रही हैं। शिलान्यास के बाद विधायक राजीव

जसरोटिया ने कहा कि सड़क संपर्क किसी भी क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास की रीढ़ होता है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि सबसे दूरस्थ गांवों तक भी बेहतर बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जाएं। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं से गांवों के निवासियों, किसानों, छात्रों, व्यापारियों और मरीजों को विशेष लाभ मिलेगा जिन्हें खराब सड़कों के कारण अक्सर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क नेटवर्क से गांवों को बाजारों, स्कूलों, स्वास्थ्य संस्थानों और अन्य सुविधाओं से संपर्क मजबूत होगा जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। साथ ही कृषि उत्पादों के तेज परिवहन और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। विधायक ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में संतुलित विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, विशेषकर सीमावर्ती और उपेक्षित क्षेत्रों में। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी विकास कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएंगे। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य समयबद्ध तरीके से और गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जाएगी ताकि देरी से बचा जा सके। अपने दौरे के दौरान विधायक ने कडयार, अलैर, टेड़ा और हटली गांवों में जन समस्याएं भी सुनीं।

संक्षिप्त-समाचार

हिमाचल प्रदेश के मंडी में फोरलेन पर पलटी ट्रैवलर, पांच घायल

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के पनारसा में फोरलेन पर एक तेज रफ्तार ट्रैवलर गाड़ी अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई। इस हादसे में गाड़ी सवार करीब पांच लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यह हादसा मंडी-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर पनारसा क्षेत्र के समीप हुआ।यह हादसा वीरवार सुबह उस समय हुआ जब गाड़ी मंडी से मनाली की ओर जा रही थी। जैसे ही ट्रैवलर पनारसा के क्षेत्र के एक मोड़ पर पहुंची तो अचानक गाड़ी अनियंत्रित सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। गाड़ी सवार करीब पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत पास के नगवाईं अस्पताल पहुंचाया गया। यहां उनका उपचार चल रहा है। कुछ घायलों को गंभीर चोटें आई हैं। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार या मोड़ पर स्टीयरिंग से नियंत्रण खोना माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

जम्मू की मशहूर इंफ्लूएंसर ने आत्महत्या करने की कोशिश की

जम्मू। जम्मू की मशहूर इंफ्लूएंसर ने आत्महत्या करने की कोशिश की। जानकारी के अनुसार इंफ्लूएंसर रोनिशा ने सोशल मीडिया पर लाइव होकर अपना दर्द जताते आत्महत्या करने की कोशिश की। फिलहाल रोनिशा का जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार रोनिशा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव होकर कहा कि यह उनका आज का आखिरी वीडियो है। वह अपनी जिंदगी को खत्म करने जा रही हैं। वह इतना मेंटल टॉर्चर नहीं सह सकतीं। उन्होंने आगे कहा कि उनके मरने के बाद उनके परिवार को बख्श देना। इस दुनिया में वैसे ही लड़की को जीने नहीं देते और एक तलाकशुदा लड़की का तो पूछो हो मत। रोनिशा ने आगे कहा कि जिन्हें भी कोई सबूत चाहिए वह उनके वकील से बात कर लें। भारत में जब तक लड़की मर न जाए उसे इंसाफ नहीं मिलता, उन्हें भी नहीं मिलेगा। आगे उन्होंने कहा कि वह इतनी परेशान हैं कि उनकी मां भी रोज मरने की बातें करती हैं। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसे सोशल मीडिया पर लाइव होकर ऐसा कहेंगी। उन्होंने आगे देश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते कहा कि हमारे देश में किसी को इंसाफ नहीं मिलता। चोरों और कातिलों को स्टे मिल जाता है लेकिन किसी को भी इंसाफ नहीं मिलता। वीडियो के आखिर में उन्होंने कहा कि यह उनकी आखिरी वीडियो है इसके बाद उनके परिवार को परेशान न किया जाए। वह अपने आप को खत्म करने जा रही हैं।

बिजली के खंभे से गिरने से पीडीडी के एक कर्मचारी की मौत

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में आज बिजली बहाल करने के काम के दौरान बिजली के खंभे से गिरने से विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) के एक कर्मचारी की गंभीर रूप से घायल होने के बाद मृत्यु हो गई। यह घटना तब घटी जब कर्मचारी इलाके के उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति बहाल करने में लगा हुआ था। जानकारी के अनुसार बहाली अभियान के दौरान वह गलती से बिजली के खंभे से गिर गया और उसे गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत सोपोर के उप-जिला अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया और बाद में चोटों की गंभीरता को देखते हुए विशेष देखभाल के लिए श्रीनगर के हड्डी एवं जोड़ अस्पताल में रेफर कर दिया गया। हालांकि चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान मोहम्मद यूसुफ शाह के रूप में हुई है जो बांदीपोरा विद्युत प्रभाग के अंतर्गत कलूसा विद्युत उप-मंडल में तैनात एक स्थायी दैनिक मजदूर (पीडीएल) था। इस घटना ने बिजली बहाली और रखरखाव के काम में लगे फील्ड कर्मचारियों और मजदूरों, विशेष रूप से आपातकालीन मरम्मत कार्यों के दौरान सामना किए जाने वाले व्यावसायिक जोखिमों को उजागर किया है।कठुआ में डेल्फिक काउंसिल की प्रेस कॉन्फ्रेंस, स्वर संगम के तहत बच्चों को मिलेगा हुनर दिखाने का मंच

महंगाई के खिलाफ माकपा का शिमला में प्रदर्शन

शिमला। राजधानी शिमला में गुरुवार को माकपा और सीटू कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। उपायुक्त कार्यालय के बाहर सीटीओ चौक पर हुए प्रदर्शन में पार्टी नेताओं ने केंद्र सरकार पर पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी कर आम जनता पर आर्थिक बोझ डालने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ईंधन की कीमतें तुरंत कम करने की मांग उठाई। सीटू के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में पेट्रोल और डीजल के दाम करीब 8 रुपये तक बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि बीते तीन महीनों में घरेलू गैस सिलेंडर करीब 60 रुपये और कमर्शियल गैस सिलेंडर लगभग 1000 रुपये तक महंगा हुआ है। उनका कहना था कि देश पहले ही बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहा है और ऐसे समय में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ेगी, जिसका असर रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर पड़ेगा और महंगाई और बढ़ेगी। विजेंद्र मेहरा ने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम होने के बावजूद जनता को राहत नहीं दी गई, बल्कि एक्साइज ड्यूटी बढ़ाकर लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाला गया। उन्होंने कहा कि मौजूदा नीतियों का फायदा बड़ी तेल कंपनियों को हो रहा है, जबकि आम लोगों को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान माकपा नेताओं ने केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया।

हिमाचल में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट, शिमला की रातें मैदानों जैसी गर्म

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच अब मौसम करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने आज से 30 मई तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश, तेज आंधी, ओलावृष्टि और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। नौतपा के दौरान पड़ रही तेज गर्मी से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। वीरवार को भी राज्य के अधिकांश हिस्सों में तेज धूप है, जबकि कई पर्वतीय व ऊंचाई वाले इलाकों में बादल छाए हैं और मौसम खराब बना हुआ है।

पिछले 24 घंटों के दौरान ऊना और बिलासपुर में लू चली। ऊना प्रदेश का सबसे गर्म इलाका रहा, जहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बिलासपुर में पारा 41.5 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार इन दोनों जिलों में सामान्य से काफी अधिक तापमान दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि वेस्टर्न डिस्टरवेन्स के एक्टिव होने की वजह से आज 28 मई को ऊना, बिलासपुर और सोलन में लू के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं।

वहीं चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला में ओलावृष्टि और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हमीरपुर में येलो अलर्ट रहेगा। 29 मई को भी मौसम खराब बना रहेगा। ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा और सोलन में तेज हवाओं और गरज-चमक की संभावना जताई गई है। कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर में ओलावृष्टि, आंधी और बिजली गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान पेड़ों और कमजोर ढांचों से दूर रहने की सलाह दी है। 30 मई को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में गरज-चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके बाद 31 मई से 3 जून तक मैदानी इलाकों में मौसम साफ रहने का अनुमान है, जबकि मध्य और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश और बादल बने रह सकते हैं।

लद्दाख से संवाद और जम्मू-कश्मीर की अनदेखी दुर्भाग्यपूर्ण : शिवसेना

जम्मू। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की जम्मू-कश्मीर इकाई ने केंद्र सरकार द्वारा लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ जारी संवाद प्रक्रिया का स्वागत करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर के प्रशासनिक, राजनीतिक और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर भी इसी प्रकार की गंभीर और सार्थक वार्ता शुरू की जानी चाहिए। पार्टी के प्रदेश प्रमुख मनीष साहनी ने पत्रकारों से विशेष बातचीत में कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ छठी अनुसूची, भूमि अधिकार और स्थानीय रोजगार जैसे संवेदनशील मुद्दों पर लगातार बातचीत किया जाना एक सकारात्मक पहल है। हालांकि जम्मू-कश्मीर के लोगों और यहां के राजनीतिक प्रतिनिधियों के साथ ऐसे किसी व्यापक संवाद का अभाव चिंता का विषय बना हुआ है। साहनी ने कहा कि देश के पूर्वोत्तर राज्यों तथा कई सीमावर्ती क्षेत्रों को उनकी सांस्कृतिक पहचान, भूमि और स्थानीय रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संविधान की धारा 371 के तहत विशेष अधिकार और संवैधानिक संरक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि जब लद्दाख के लिए विशेष संवैधानिक सुरक्षा और अधिकारों पर गंभीर चर्चा हो सकती है तो जम्मू-कश्मीर को आखिर क्यों हाशिये पर धकेला जा रहा है।

पंचायत चुनाव में दिखा गांव से जुड़ाव चंडीगढ़-दिल्ली से वोट डालने पहुंचे युवा

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

पंचायती राज चुनावों को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। ग्रामीण लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए बड़े शहरों से भी मतदाता मत डालने पहुंच रहे हैं।

ऊना जिला की ग्राम पंचायत धर्मसाल महंता खास के वार्ड नंबर तीन में एक ही परिवार के सदस्यों ने मतदान करने के बाद सामूहिक तस्वीर खिंचवाकर लोकतंत्र के प्रति अपनी भागीदारी का संदेश दिया। परिवार के सदस्य विकास, निधि और रोहित अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए विशेष रूप से बाहर से गांव पहुंचे। विकास और निधि चंडीगढ़ से जबकि रोहित दिल्ली से मतदान करने के लिए अपने पैतृक गांव पहुंचे। मतदान के बाद पूरे परिवार ने सामूहिक चित्र खिंचवाया, जो चुनावों के प्रति लोगों के उत्साह और जागरूकता को दर्शाता है। परिवार के मुखिया बलबीर सिंह का कहना है कि पंचायत चुनाव गांव के विकास और स्थानीय नेतृत्व को तय करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। यही कारण है कि नौकरी और पढ़ाई के चलते बाहर रहने वाले युवा भी अपने गांव पहुंचकर मतदान में भाग ले रहे हैं। वहीं चुनावों के दौरान गांवों में सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर मतदान कर लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

जम्मू में युवा राजपूत सभा का जोरदार प्रदर्शन विवादित बयान के खिलाफ फूंका पुतला

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

युवा राजपूत सभा जम्मू और कश्मीर (वाईआरएस) ने वीरवार को महाराजा हरि सिंह ब्रिज के निकट पश्चिम बंगाल के एक नेता द्वारा गौहत्या को लेकर दिए गए कथित विवादित बयान के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान सभा के कार्यकताओं और सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए संबंधित नेता का पुतला भी फूंका। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और राजपूत समुदाय के लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने उस बयान पर कड़ा विरोध जताया, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि 14 वर्ष की आयु के बाद गाय को काटा जा सकता है। प्रदर्शनकारियों ने इसे असंवेदनशील, गैर-जिम्मेदाराना और करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया। प्रदर्शन का नेतृत्व मनदीप सिंह रिम्पी ने किया। उनके साथ सभा के पूर्व अध्यक्ष राजन सिंह हैप्पी और विक्रम सिंह विक्की भी मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए मंदीप सिंह रिम्पी ने विवादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक नेता केवल सुर्खियां बटोरने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में करोड़ों लोग गाय को पूजनीय मानते हैं और इस प्रकार की टिप्पणियां लोगों की आस्था और भावनाओं को सीधे आहत करती हैं।

चुनाव 'कांग्रेस को सता रहा है हार का डर, इसलिए चुनावों से बना रही दूरी'

पंचायत चुनावों में हार देख मैदान से भाग गई कांग्रेस : जयराम

झूठे आंकड़े पेश कर पंचायत चुनाव को प्रभावित करने का किया प्रयास: पूर्व मुख्यमंत्री

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि पंचायतीराज चुनावों में अपनी संभावित हार देख कांग्रेस पार्टी मैदान छोड़कर भाग गई है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में जीत के बड़े-बड़े झूठे दावे करने के बाद अब कांग्रेस नेता जनता से मुंह छिपाते फिर रहे हैं। सत्ता के इस सेमीफाइनल में जिस प्रकार से जनता ने भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन और विश्वास दिखाया है उससे कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

जयराम ठाकुर ने वीरवार को अपने आवास पर प्रथम चरण में जीत हासिल कर मिलने पहुंचे नवनिर्वाचित

जनप्रतिनिधियों से भेंट की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को आभास हो चुका था कि इस बार पंचायत चुनावों में बुरी तरह पीटेंगे तो इन्होंने चुनाव से दूरी बनाना ही उचित समझा। मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम निकलते ही झूठे आंकड़े पेश कर पंचायत चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया, लेकिन प्रथम चरण चुनाव में ही उन्हें निराशा मिली। आनन-फानन में आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर बिना चुनाव आयोग को सूचित किए कैबिनेट की बैठक कर डाली। जिसमें ऐसे निर्णय लेकर लोगों को लुभाने का प्रयास किया ताकि जनता कांग्रेस के पक्ष में वोट करे लेकिन जनता इनकी चालाकी समझ चुकी है। इनके लोकलुभावन फैसलों की परवाह किए बगैर जनता ने भाजपा के साथ चलना स्वीकार किया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को झूठ के सहारे जनता के वोट हासिल करने की आदत पड़ गई है लेकिन इस बार जनता ने कांग्रेस को आईना दिखा दिया। कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा चुनाव से पहले झूठी गारंटियों के सहारे जनता को ठगने का प्रयास किया था और इस बार फिर स्थानीय निकाय में 50-50 लाख से लेकर एक करोड़ तक में पार्षदों को खरीदने का प्रयास किया। पंचायत चुनाव में भी मतदान से एक दिन पहले कैबिनेट में कई घोषणाएं और फैसले लेकर जनता को ठगने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के इन पैंतरों से अब कोई फायदा उन्हें नहीं मिलने वाला है। जनता ने ठान लिया है कि जिस सरकार ने उनके साथ झूठी गारंटियां देकर छल किया है उस कांग्रेस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकना है। जयराम ठाकुर ने जनप्रतिनिधियों को विश्वास दिलाया कि उन्हें कहीं भी विकास कार्यों में अनदेखी होने नहीं दी जाएगी और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए विकास को बिना किसी भेदभाव के सभी क्षेत्रों में करवाया जाएगा।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मुख्यमंत्री ने बागवानी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए खोला घोषणाओं का पिटारा

बागवानी विश्वविद्यालय में पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, पौध कीट नियंत्रण और रोगों के नए विषयों पर भी मास्टर डिग्री और पी.एच.डी. की होगी शुरूआत: नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बागवानी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए घोषणाओं का पिटारा खोलते हुए कहा कि पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, पौध कीट नियंत्रण और रोगों के नए विषयों पर भी मास्टर डिग्री और पी.एच.डी. की शुरूआत की जाएगी। उन्होंने 14 हॉर्टिकल्चर साइंस सेंटर महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय को समर्पित किए और कहा कि ये केंद्र किसानों तक नवीनतम तकनीकों व गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री पहुंचाने और वैज्ञानिक परामर्श देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री आज महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल व लेफ्टिनेंट अमित मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। यह राष्ट्रीय सम्मेलन अमृतकाल में बागवानी फसलों के लिए गुणवत्ता युक्त बीज एवं रोपण सामग्री का रणनितिक प्रतिमान विषय पर आधारित है।

मुख्यमंत्री ने इस समारोह में बागवानी वैज्ञानिक व प्रगतिशील किसानों को शील्ड, शाल व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में बागवानी विश्वविद्यालय के उप कुलपति डा. सुरेश कुमार मल्होत्रा ने मुख्यमंत्री, विधायकगण व अन्य अतिथियों को महाराणा प्रताप की मूर्ति भेट कर सम्मानित किया। उन्होंने इस अवसर पर अपने सम्बोधन कहा कि भारत विश्व में फलों व सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 360 मिलियन टन से अधिक बागवानी उत्पादन होता है। आज भारत आम, केला, अमरूद, अनार जैसे फलों और आलू, प्याज सहित कई अन्य सब्जियों के उत्पादन में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। लेकिन, यह भी सच है कि उत्पादन के बावजूद गुणवत्ता, ग्रेडिंग, रोगमुक्त पौध सामग्री और पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन की कमी के कारण हमें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर का शिलान्यास स्वयं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 9 दिसंबर, 2024 को किया गया था। इतने कम समय में इस विश्वविद्यालय ने जो मुकाम हासिल किया है वह असाधारण है। शिक्षा हो, अनुसंधान हो या किसान सेवा हर क्षेत्र में इस संस्थान ने अपनी अलग पहचान बनाई है। यहाँ विकसित तकनीकें, यहाँ के प्रशिक्षण कार्यक्रम और किसानों के साथ निरंतर संवाद यह सब मिलकर हरियाणा की बागवानी क्रांति को एक नई ऊर्जा, एक नई रफ्तार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समस्त राष्ट्र के समक्ष विकसित भारत 2047 का एक महान संकल्प रखा है और यह संकल्प केवल आर्थिक विकास का नहीं है - यह आत्मनिर्भर कृषि का संकल्प है, पोषण सुरक्षा का संकल्प है, वैज्ञानिक नवाचार का संकल्प है और करोड़ों किसानों की समृद्धि का संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया इस बात को स्वीकार कर रही है कि गुणवत्तायुक्त बीज और पौध से कृषि उत्पादकता में 15 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। इसलिए गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री, वैज्ञानिक प्रबंधन और आधुनिक सप्लाई चेन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत और वैज्ञानिकों के अनुसंधान ने देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाया है। लेकिन, आज समय की मांग बदल रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बागवानी क्षेत्र में किसानों के हित के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। किसानों की आय बढ़ाने के लिए वर्ष 2030 तक बागवानी क्षेत्र को दोगुणा व उत्पादन को तीन गुणा करने का लक्ष्य रखा है। बागवानी के लिए प्रदेश में 13 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि सब्जियों व फलों के लिए भावांतर भरपाई योजना में 21 बागवानी फसलों के संरक्षित मूल्य निर्धारित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वित्त वर्ष के बजट में सभी जिलों में स्मार्ट बागवानी तकनीकों जैसे संरक्षित खेती एरोपोनिक्स, हाइड्रोपोनिक्स, ग्रीन हाउस, वर्टिकल फार्मिंग व ई-पेस्ट के अंतर्गत कुल 1,000 एकड़ क्षेत्र को लाने का भी प्रावधान किया है। प्रदेश में ग्रामीण हाट मंडियां स्थापित की जाएगी, जिन्हें किसान उत्पादक संगठनों के पैक हाउसेस से लिंक किया जाएगा। पहली ग्रामीण हाट मंडी का उद्घाटन किसान दिवस के मौके पर 23 दिसंबर, 2026 को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 में बागवानी फसलों के पंजीकरण के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल को पूरे वर्ष संचालित किया जाएगा। एक कोल्ड चेन नीति लागू कर भंडारण, मूल्य स्थिरता तथा निर्यात बढ़ोतरी लाने का भी प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने कहा कि टिश्यू कल्चर के माध्यम से पैदा किए गए आलू बीज की श्रृंखला का प्रमाणीकरण करने के लिए एक हरियाणा आलू बीज अधिनियम लाया जाएगा। इस अधिनियम के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 7.5 लाख क्विंटल उच्च गुणवत्ता युक्त बीज आलू का उत्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला सोनीपत, पानीपत, अंबाला, करनाल व कुरूक्षेत्र मशरूम उत्पादन में अग्रणी है।

इस अवसर पर महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी करनाल के कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने मुख्य अतिथि श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया। इस अवसर पर एएसआरबी के चेयरमैन डॉ. संजय कुमार , भारतीय उद्यानिकी संघ परिसंघ (चाय) डॉ एच.पी. सिंह, डॉ. पाठक ने भी विचार रखे। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी द्वारा वीएनएमकेवी परभणी एमएच के कुलपति प्रो. इंद्र मणि मिश्रा को लाइफ टाइम रिकग्निशन अवार्ड-2026, कावेरी विश्वविद्यालय तेलगांना के कुलपति प्रो.वी प्रवीन राव को अमित कृषि ऋषि पुरस्कार-2026, एएसआरबी के चेयरमैन डॉ. संजय कुमार को अमित प्रबुद्ध मनीषी पुरस्कार-2026 देकर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने उद्यान रत्न पुरस्कार-2026 से नितिन ललित, इनोवेटिव सजावटी बागवानी उद्यमी, करनाल, नवीन कुमार, प्रगतिशील सब्जी उत्पादक, दलवा, झज्जर, वीरेंद्र बाजवान, इनोवेटिव मशरूम उत्पादक, बाजवान, बडियाल, पंचकुला, कुलदीप आर्य, प्रगतिशील फल एवं सब्जी उत्पादक, नारनौद, हांसी को सम्मानित किया इस अवसर पर इंद्री के विधायक एवं चीफ व्हिप श्री रामकुमार कश्यप, नीलोखेड़ी के विधायक श्री भगवानदास कबीरपंथी, करनाल के विधायक श्री जगमोहन आनंद के अलावा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

महंगाई ने मिडिल क्लास की कमर तोड़ी, सरकार जवाब दे : सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने लगातार बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल पर बढ़ते टैक्स और आर्थिक कुप्रबंधन ने आम आदमी, विशेषकर मध्यम वर्ग का जीना मुश्किल कर दिया है।

सांसद ने कहा कि आज चाय, चीनी, चावल, दाल, चप्पल, कपड़े से लेकर रोजमर्रा की हर वस्तु महंगी हो चुकी है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ी है, जिसका सीधा असर आम जनता की रसोई और घरेलू बजट पर पड़ा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि जिस परिवार का मासिक खर्च पहले 35,000 रुपये में चलता था, वही परिवार अब रुपये 40,000 में भी संघर्ष कर रहा है। खाद्य तेल, दालें, चायपत्ती, गैस सिलेंडर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि सरकार केवल टैक्स वसूली और बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने में व्यस्त है, जबकि आम आदमी की परेशानियों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। महंगाई ने न केवल घरेलू बजट बिगाड़ा है बल्कि शादी-ब्याह और सामाजिक आयोजनों का खर्च भी आम परिवारों की पहुंच से बाहर कर दिया है।

सुपवा के छात्रों से सजी दूजवर-2 आज होगी रिलीज

सिटी दर्पण संवाददाता

रोहतक

- ओटीटी प्लेटफॉर्म स्टेज ऐप पर दिखेगा एक्टिंग से लेकर निर्देशन तक जलवा
- फिल्म में नजर आएगी मजबूरी में बंधे रिश्तों की कहानी

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्रों से सजी हरियाणवी फिल्म दूजवर-2 आज रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म स्टेज ऐप पर फिल्म के जरिए सुपवा के छात्रों की अदाकारी से लोग रूबरू हो सकेंगे। फिल्म में दर्शकों को मजबूरी में बंधे रिश्तों की कहानी करीब से देखने को मिलेगी।

दूजवर-2 में मुख्य किरदार सुपवा की फिल्म एवं टेलीविजन फैकेल्टी के पूर्व छात्रों ने निभाए हैं। इसमें एक्टिंग डिप्लोमा कोर्स साल 2023 के छात्र रहे केशव कादियान, अरूण नारा, निशा शर्मा, मधु व बैचलर इन डायरेक्शन के छात्र रहे आशीष नेहरा मुख्य किरदार रहे हैं। आशीष फिलहाल सुपवा में ही असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर भी कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि दूजवर को मिली सफलता के बाद फिल्म निमार्ता ने दूजवर-2 बनाने का फैसला लिया। फिल्म की एडिटिंग सुपवा में बैचलर इन एडिटिंग के 2018 बैच के छात्र रहे ज्ञानेश ने की है, जबकि केशव कादियान ने फिल्म में अभिनय के साथ ही इसका निर्देशन भी किया है। फिल्म के क्रिएटिव डायरेक्टर देवेंद्र दाह हैं, जो सुपवा में बैचलर इन डायरेक्शन 2013 बैच के छात्र रहे हैं। देवेंद्र दाह इससे पहले सन्नी देयोल अभिनीत सुपर हिट फिल्म गदर-2 के सहायक निर्देशक भी रह चुके हैं। आशीष नेहरा ने फिल्म में मनोज का किरदार निभाया है, जबकि निशा उनकी पत्नी आरती की भूमिका में है। केशव कादियान ने मनोज

के भाई सुमित का रोल किया है, तो मधु ने सुमित की प्रेमिका बनी हैं।

कुलगुरु डॉ अमित आर्य कहते हैं कि सुपवा परिवार के लिए यह गर्व का विषय है, जो एक ही फिल्म में सुपवा के इतने पूर्व छात्र किसी न किसी भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म के निर्देशक से लेकर एक्टर तक सुपवा के छात्रों की मौजूदगी से पता चलता है कि यह यूनिवर्सिटी भविष्य के एक्टर, डायरेक्टर, एडिटर तैयार कर रही है। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सुपवा में छात्रों को फिल्म इंडस्ट्री की जरूरत के अनुसार शिक्षित व प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे देश-दुनिया में अपने साथ यूनिवर्सिटी व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

संक्षिप्त-समाचार

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने मेरिट में आने वाली छात्राओं को दी बधाई

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने बतौर मुख्य अतिथि आज आर्य कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मोर माजरा, करनाल में प्रार्थना एवं सांस्कृतिक सभा शेड का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री ने कक्षा दसवीं व बारहवीं की परीक्षा परिणाम पर खुशी जताई और मेरिट में आने वाली छात्राओं व उनके अभिभावकों को बधाई दी। कार्यक्रम में गुरुकुल के प्रधान एडवोकेट सुखबीर सिंह मान ने मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार को विद्यालय के उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय ने दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में हरियाणा राज्य में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। साथ ही जिला करनाल की शीर्ष 10 मेरिट सूची में से 6 छात्राएं गुरुकुल की रही हैं। यह उपलब्धि सुनकर मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने गुरुकुल के प्रधान, समस्त स्टाफ एवं छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की तथा गुरुकुल की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर गुरुकुल कार्यकारिणी के सचिव ओम प्रकाश मान, कोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

'स्वस्थ हरियाणा - समृद्ध हरियाणा अभियान' पकड़ेगा तेज रफ्तार : आरती सिंह राव

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश के हर नागरिक को बेहतर, आधुनिक और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए 'स्वस्थ हरियाणा - समृद्ध हरियाणा अभियान' के अंतर्गत राज्य में 9 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ होने जा रहा है। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने जानकारी देते हुए बताया कि इन दूरदर्शी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कल 29 मई को दोपहर 2:00 बजे पी.डब्ल्यू.डी. रेस्ट हाउस, सेक्टर-1, पंचकूला में आयोजित एक भव्य समारोह में किया जाएगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी होंगे, जो इन सभी स्वास्थ्य सेवाओं को जनता को समर्पित करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने इस अभियान को प्रदेश की स्वास्थ्य अवसंरचना को आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर बताया है। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 22.29 करोड़ रुपये की लागत से 30 स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन तथा 21.50 करोड़ रुपये की लागत से 16 नए स्वास्थ्य संस्थानों का शिलान्यास किया जाएगा। इसके साथ ही मरीजों के तीमारदारों की सुविधा के लिए जिला नागरिक अस्पताल, सोनीपत में 6.45 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक अत्याधुनिक विश्राम गृह का शिलान्यास भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महिलाओं के विशेष और समर्पित उपचार के लिए राज्य के 23 जिला अस्पतालों में प्रतिवर्ष 0.34 करोड़ रुपये की लागत से 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' क्लीनिक की शुरूआत की जा रही है। आम जनता को महंगी और गंभीर चिकित्सा जांचें मुफ्त या बेहद किफायती दरों पर मिल सकें, इसके लिए पीपीपी मॉडल के तहत महत्वपूर्ण विस्तार किया गया है। इसके अंतर्गत पानीपत और कुरुक्षेत्र के जिला अस्पतालों में 12 करोड़ रुपये की लागत से एमआरआई सेवाएं तथा बहादुरगढ़ के सब-डिवीजनल अस्पताल व दादरी के जिला अस्पताल में 10 करोड़ रुपये की लागत से सीटी स्कैन सेवाओं की शुरूआत की जा रही है। आरती सिंह राव ने आगे बताया कि हृदय रोगों की समय पर पहचान और तुरंत उपचार के लिए राज्य के 600 स्वास्थ्य संस्थानों में टेली-ईसीजी सेवाओं की स्थापना की जा रही है, जिस पर सालाना 3 करोड़ रुपये व्यय होंगे। गुर्दा (किडनी) रोगों से पीड़ित मरीजों को राहत देते हुए महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज, कोरियावास (नारनौल) और श्री अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय मेडिकल कॉलेज, छायंसा (फरीदाबाद) में अब निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा प्रदान की जाएगी। आमजन को ब्रांडेड दवाइयां बहुत ही सस्ती और रियायती दरों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के 23 जिला अस्पतालों में 1.73 करोड़ रुपये की लागत से 'अमृत फामेर्सी' का भी उद्घाटन किया जाएगा।

सुपर-100 संस्थान के विद्यार्थी अपनी दिक्कत या परेशानी को सीधे जिला शिक्षा अधिकारी को बताएं: विनोद कौशिक

कुरुक्षेत्र। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने कहा कि हरियाणा सुपर-100 संस्थान बारना में पढने. वाले विद्यार्थी को किसी भी प्रकार की दिक्कत या परेशानी होने पर वो सीधे जिला शिक्षा विभाग को सूचित कर सकते हैं। परिसर में जिला शिक्षा अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, एसएचओ, टोल फ्री नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर भी अंकित किए जाएंगे। शिक्षा विभाग की टीम समय समय पर संस्थान का दौरा करके बच्चों से समस्याओं को जाना करेगी। डीईओ ने अभिभावकों से अपील की है कि वो बच्चों के साथ बातचीत करने के लिए संस्थान के दिए समय के अनुसार मिलें। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक वीरवार को हरियाणा सुपर 100 संस्थान बारना में निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। इस दौरान उनके साथ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिद्धू भी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने संस्थान में विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही बच्चों से दिक्कत व परेशानियों को भी जाना। मौके पर ही विद्यार्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी व एसएचओ ने अपने-अपने फोन नंबर भी साझा किए। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने कहा कि संस्थान में विद्यार्थियों को सभी सुविधाएं बेहतर ढंग से मुहैया करवाई जा रही है। संस्थान में 13 मई से नया बैच शुरू हुआ है, जो बच्चे इस बैच में आए है, उनमें से 4-5 बच्चों को परिवार के बीच से संस्थान में रहने में परिवारजनों की याद आना ही एकमात्र कारण सामने आया है। इसके अलावा संस्थान में शुद्ध व पोषक खाना दिया जा रहा है। गर्मी को देखते हुए बच्चों के लिए कूलर लगाए गए हैं। रहने के लिए लड़कों और लड़कियों की अलग-अलग व्यवस्था की हुई है। बेहतर स्टाफ द्वारा बच्चों को तैयारी करवाई जा रही है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिद्धू ने कहा कि संस्थान में कोचिंग लेने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत या परेशानी हो तो वो जिला शिक्षा अधिकारी या पुलिस को मिलकर अपनी समस्या बता सकते हैं। उनकी पुलिस प्रशासन की तरफ से पूरी मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों से मिलने के लिए संस्थान में आएं और अपने बच्चों से मिलें, उनकी समस्याएं जानें। अभिभावक अपने-अपने बच्चों से बातचीत करके उनसे समस्याओं को जानें और किसी भी प्रकार की दिक्कत, परेशानी को उसके स्तर के अनुसार समाधान करवाएं। हर समस्या का समाधान संभव है। कोई भी अभिभावक कानून को अपने हाथों में ना लें।

कम उम्र में संगीत के गुरु नसीब वालों को मिलते हैं: विजय सभरवाल

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

हरियाणा कला परिषद् तथा जीओ गीता गुरुकुल के सहयोग से आज बांसुरी वादन कार्यशाला के 18 वें दिन मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री विजय सभरवाल तथा विशिष्ट अतिथि कृष्ण धमीजा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सरस्वती वंदना के पश्चात भगवद्गीता के स्वरूप के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अपने उद्बोधन में प्रशिक्षार्थियों को स्पष्ट संदेश दिया कि वे सब सौभाग्यशाली हैं जो कम उम्र में ही उन्हें एक प्रतिष्ठित गुरु से बांसुरी वाद्य को सीखने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि संगीत सभी प्राणियों में सदैव प्राकृतिक रूप से विद्यमान रहता है। संगीत में विशेष रूप से बांसुरी की मधुर ध्वनि हृदय को आह्लादित कर देती है। उन्होंने बांसुरी वादन कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को साधुवाद दिया तथा कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक डॉ मनीश कुकरेजा को उनके इस सेवा कार्य हेतु प्रशंसा की। आज के अभ्यास में विभिन्न अलंकारों का तथा राष्ट्र गान की प्रस्तुति प्रतिभाओं द्वारा अतिथियों के समक्ष की गई। विशिष्ट अतिथि कृष्ण धमीजा ने प्रसिद्ध बांसुरी वादक व मुख्य प्रशिक्षक डॉ कुकरेजा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बांसुरी की लुप्त हो रही विद्या के ज्ञान को युवा पीढ़ी में बांट कर हमारी संस्कृति का संवर्धन व संरक्षण कर रहे हैं। उन का कहना था कि प्रशिक्षक महोदय ने पूर्व में आयोजित छः बांसुरी वादन कार्यशालाओं में दर्जनों बच्चों को बांसुरी वादन के प्रशिक्षण के फलस्वरूप राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर के विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया जाना प्रस्तावित करते हैं ' कार्यशाला में विशेष रूप से आमंत्रित सुप्रसिद्ध समाज सेवी एवं मंच संचालिका प्रो डॉ शालिनी शर्मा ने उनके साथ आए संगीत को प्रोत्साहित करने वाली संस्था के उपस्थित गणमान्य सदस्यों का परिचय करवाया गया। डॉ शालिनी शर्मा व सभी अन्य सभी प्रतिभागियों की सरगमों व राष्ट्रीय गान की प्रस्तुति से अत्यंत अभिभूत हुए। डॉ मनीश कुकरेजा ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा डॉ शालिनी शर्मा सहित अन्य सभी का हृदय से आभार ज्ञापित किया तथा अपने बांसुरी गुरु अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बांसुरी वादक उस्ताद डॉ मुजतबा हुसैन को अपना प्रेरणा स्त्रोत बताया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने उद्बोधन में प्रतिभागियों को साधुवाद देते हुए सभी को बांसुरी वादन कार्यशाला में भाग लेने पर बधाई दी एवं सब के उज्जवल भविष्य की प्रार्थना की।

मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा जनसंचार संस्थान: सुनित मुखर्जी

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क निदेशक सुनित मुखर्जी ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया टेक्नोलॉजी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर संस्थान में उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनको मीडिया संस्थान में शुरू होने वाले पाडकास्ट का पोस्टर भी भेंट किया गया।

एमडीयू के जनसंपर्क निदेशक सुनित मुखर्जी ने संस्थान की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान विद्यार्थियों को मीडिया जगत में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने संस्थान में उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

संस्थान निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने सुनित मुखर्जी को श्रीमद्भगवद्गीता एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने संस्थान की विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए टीवी एवं रेडियो स्टूडियो, केयू न्यूज लेटर तथा मीडिया से जुड़ी आधुनिक सुविधाओं से अवगत कराया।

प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने कहा कि जनसंचार एवं मीडिया के क्षेत्र में विद्यार्थियों को व्यवहारिक एवं तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के लिए संस्थान कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में निरंतर प्रयासरत है। संस्थान में आधुनिक संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रदेश के नगर निगम चुनाव में कार्यकताओं की मेहनत और जनता के विश्वास से मिली ऐतिहासिक जीत : नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

- दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में भव्य समारोह में हुआ नगर निगम सोनीपत के नव-निर्वाचित महापौर राजीव जैन एवं पार्षदों का शपथ ग्रहण

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नगर निगम चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत कार्यकताओं की अथक मेहनत, समर्पण और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। भीषण गर्मी में भी कार्यकताओं ने दिन-रात जनसंपर्क किया, जिसका नतीजा बड़े अंतर से भाजपा समर्थित महापौर और पार्षदों की जीत के रूप में सामने आया।

मुख्यमंत्री आज दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल में नगर निगम सोनीपत के नव-निर्वाचित महापौर राजीव जैन एवं पार्षदों के भव्य शपथ ग्रहण समारोह में संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि नव-निर्वाचित महापौर श्री राजीव जैन एवं सभी पार्षदों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है। यहां हर कार्यकर्ता को समय-समय पर अवसर मिलता है। यही लोकतांत्रिक परंपरा भाजपा को अन्य दलों से अलग करती है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप पार्टी महिलाओं को नेतृत्व प्रदान कर रही है। डॉ. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे लाना भाजपा की प्राथमिकता है। श्री नायब सिंह सैनी ने विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार और नगर निगम की नई टीम मिलकर सोनीपत के विकास को तीन गुना गति प्रदान करेगी। शहर में बेहतर सड़कें, स्वच्छता, पेयजल, सीवरेज, बिजली और आधुनिक शहरी सुविधाओं के विस्तार पर तेजी से काम किया जाएगा। उन्होंने महापौर राजीव जैन एवं उनकी टीम से आह्वान किया कि जनता के विश्वास को बनाए रखते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करें। जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मंडल आयुक्त श्री राजीव रतन ने सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पंचायत एवं विकास मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, राई से विधायक श्रीमती कृष्णा गहलावत, सोनीपत से विधायक श्री निखिल मदान, खरखोदा से विधायक श्री पवन कुमार खरखौदा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संपादकीय: संगठनात्मक पुनर्गठन की राजनीति: चार राज्यों में भाजपा के नए अध्यक्षों की नियुक्ति और दिल्ली में हर्ष मल्होत्रा का दांव

भारतीय राजनीति में संगठन को सत्ता की नींव माना जाता है, और भारतीय जनता पार्टी इस सिद्धांत को बखूबी समझती है। यही कारण है कि 28 मई 2026 को जब BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने चार राज्यों – दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और त्रिपुरा – में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की, तो इसे महज एक प्रशासनिक फेरबदल नहीं, बल्कि एक सोची-समझी चुनावी रणनीति के रूप में देखा गया। राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ये सभी नियुक्तियाँ तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। दिल्ली में केंद्रीय राज्यमंत्री और पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वे वीरेंद्र सचदेवा का स्थान लेंगे, जिनके कार्यकाल में पार्टी ने दिल्ली विधानसभा में लंबे अंतराल के बाद सत्ता हासिल की थी। हरियाणा में रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, जो अब तक पार्टी की राज्य इकाई की महासचिव थीं। पंजाब में 75 वर्षीय सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने सुनील जाखड़ की जगह ली है, जबकि त्रिपुरा में डॉ. अभिषेक देबरॉय को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह पुनर्गठन BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के पाँच महीने के कार्यकाल में पहला बड़ा संगठनात्मक बदलाव है। दिल्ली की नियुक्ति सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है क्योंकि अगले वर्ष यहाँ विधानसभा चुनाव होने हैं। हर्ष मल्होत्रा 24 अप्रैल 1964 को जन्मे एक कुशल संगठनकर्ता हैं। वे पंजाबी समुदाय से आते हैं, जिसका पूर्वी दिल्ली की राजनीति में भारी प्रभाव है। 2012 में रोहतास नगर विधानसभा सीट से जीतकर उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने उन्हें पूर्वी दिल्ली की हाई-प्रोफाइल सीट से उतारा। इस सीट पर पूर्व क्रिकेटर और सांसद गौतम गंभीर की जगह उन्हें टिकट दिया गया था। मल्होत्रा ने INDIA गठबंधन के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को हराकर यह सीट जीती। वे अभी कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हर्ष मल्होत्रा की नियुक्ति कई संदेश एक साथ देती है। पहला, पार्टी दिल्ली में किसी जन-परिचित चेहरे को मैदान में उतारना चाहती है जो जमीनी स्तर पर काम करने की क्षमता रखता हो। दूसरा, केंद्र सरकार में मंत्री पद पर रहते हुए भी संगठन की कमान संभालने की यह जिम्मेदारी दर्शाती है कि इखढ दिल्ली को लेकर कितनी गंभीर है। आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी अपनी सत्ता बनाए रखना चाहती है और इसके लिए अभी से तैयारी शुरू की जा रही है। चार नियुक्तियों में पंजाब के नए प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों पर सबसे अधिक ध्यान केंद्रित होगा। पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है जहाँ अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। यहाँ आम आदमी पार्टी की सरकार है, लेकिन भगवंत मान सरकार पर भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की विफलता के कई आरोप लग रहे हैं। कांग्रेस भी नेतृत्व संकट से गुजर रही है। ऐसे में BJP के लिए पंजाब में राजनीतिक जगह बनाने का यह सुनहरा अवसर है। हाल ही में AAP के सांसद राघव चड्ढा सहित कई नेताओं के BJP में शामिल होने से पार्टी के चुनावी संभावनाओं को बल मिला है। केवल सिंह ढिल्लों 2007 से 2017 तक बरनाला विधानसभा सीट से विधायक रहे हैं। वे पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी माने जाते हैं और मालवा क्षेत्र में उनका मजबूत जनाधार है। 2022 में कांग्रेस छोड़ BJP में आने के बाद वे राज्य उपाध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे। एक अनुभवी और जमीन से जुड़े नेता के रूप में उन पर पंजाब में पार्टी को चुनावी जंग के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी है। हरियाणा में डॉ. अर्चना गुप्ता की नियुक्ति एक अलग रणनीति का हिस्सा है। BJP ने हाल ही में हरियाणा में सत्ता हासिल की है और अब पार्टी की कोशिश है कि संगठन को और मजबूत किया जाए। रेडियोलॉजिस्ट से राजनेता बनीं डॉ. गुप्ता महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने की पार्टी की नीति के अनुरूप हैं। त्रिपुरा में डॉ. अभिषेक देबरॉय को नई जिम्मेदारी दी गई है। पूर्वोत्तर का यह छोटा राज्य BJP के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है और पार्टी वहाँ अपनी जड़ें और गहरी करना चाहती है। यह पूरा पुनर्गठन एक व्यापक सन्देश देता है। BJP परिणाम-उन्मुख नेतृत्व में विश्वास रखती है और जो नेता चुनावी परीक्षा में खरे उतरते हैं, उन्हें आगे बढ़ाया जाता है। वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली में पार्टी को जीत दिलाई, इसलिए उनका कार्यकाल सम्मानजनक तरीके से समाप्त हुआ। सुनील जाखड़ ने भी खुद पार्टी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए सम्मान की बात थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, और इछ संतोष व खढ नड्डा जैसे वरिष्ठ नेताओं का आभार माना। यह पुनर्गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की पहली बड़ी संगठनात्मक परीक्षा भी है। उनका संदेश स्पष्ट है – केंद्रीय नेतृत्व और राज्य इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और आगामी चुनावों के लिए पार्टी को एक कसी हुई मशीन की तरह तैयार करना। इखढ की शक्ति हमेशा उसके संगठन में रही है। चुनाव से पहले सही समय पर सही नेताओं की नियुक्ति पार्टी की पुरानी परंपरा रही है। दिल्ली में हर्ष मल्होत्रा का चुनाव, पंजाब में अनुभवी ढिल्लों को मैदान में उतारना, हरियाणा में महिला नेतृत्व और त्रिपुरा में नई ऊर्जा – ये सभी फैसले बताते हैं कि पार्टी न केवल वर्तमान में सोच रही है, बल्कि 2027 की चुनावी बिसात पर अभी से मोहरे बिठाना शुरू कर दिया है। राजनीति में संगठन ही असली ताकत होती है और BJP एक बार फिर यह साबित करने में जुटी है।

विकसित भारत का सपना कितना खरा, रोडमैप की कसौटी पर परखना चाहता है मजदूर संघ

राजेश शांडिल्य (हि.स)

हाल ही में देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठन भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) का ओडिशा में राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। परंपरागत रुप से इस अधिवेशन में कई महत्वपूर्ण फैसले लिये गये। इसी के साथ बीएमएस की तैयारी है कि अगले राष्ट्रीय अधिवेशन में केवल मजदूरों के पारंपरिक मुद्दों को हल करने में संगठन कितना आगे बढ़ा, सफलता और भविष्य की तैयारी तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि साल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में श्रमिकों की भागीदारी, गिग इकोनॉमी, ठेका रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और संसाधनों के असमान वितरण जैसे सवाल भी केंद्र में रहने वाला है। इस अधिवेशन से पहले मजदूरों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर संगठन व्यापक रणनीति तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसमें श्रमिक वर्ग की निर्णायक भूमिका कैसे हो, इसके लिए भारतीय मजदूर संघ ने कमर कस ली है। भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार के अनुसार बीएमएस का मानना है कि केंद्र और राज्य सरकारों के पास मजदूरों की सुरक्षा, रोजगार की स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा को लेकर क्या ठोस रोडमैप है, इसको समय रहते स्पष्ट करना चाहिये।

संगठन का यह भी मानना है कि देश में तेजी से बढ़ रही गिग इकोनॉमी सबसे बड़ा और उभरता हुआ श्रम मुद्दा बन चुकी है। ऑनलाइन डिलीवरी, कैब सेवा और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े लाखों श्रमिक आज भी औपचारिक श्रम ढांचे से बाहर हैं। सबसे पहले सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इन श्रमिकों का वास्तविक एग्रीगेटर या नियोक्ता कौन है। इसके अलावा सभी गिग वर्करों का अनिवार्य पंजीकरण हो, ताकि उनका रिकॉर्ड उपलब्ध रहे और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। सबसे महत्वपूर्ण मांग इनके लिए व्यापक सोशल सिक्योरिटी सिस्टम लागू करने की है। हालांकि नए श्रम कानूनों में गिग और प्लेटफॉर्म वर्करों के लिए कुछ प्रावधानों पर सरकार द्वारा विचार किया गया है लेकिन बीएमएस का मानना है कि जब तक ये व्यवस्थाएं जमीन पर प्रभावी रूप से लागू नहीं होतीं, तब तक श्रमिकों को वास्तविक लाभ नहीं मिलेगा।

गिग इकोनॉमी से जुड़े जोखिमों को लेकर भी संगठन चिंतित है। हाल के वर्षों में 10 से 15 मिनट में डिलीवरी की प्रतिस्पर्धा ने डिलीवरी कर्मियों पर अत्यधिक दबाव बढ़ाया। इसके चलते सड़क हादसों से जान के जोखिम की घटनाएं भी सामने आईं। बीएमएस ने सबसे पहले इस पर संज्ञान लिया और मामला श्रम मंत्रालय तक पहुंचने के बाद कई कंपनियों ने अपनी आक्रामक 15 मिनट डिलीवरी की ब्रांडिंग करने से कदम पीछे खींचे। बीएमएस का मानना है कि कारोबार की गति और श्रमिकों की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है।

दूसरा बड़ा मुद्दा अनुबंध या ठेका कर्मचारियों का है। संगठन का कहना है कि देश में बड़े पैमाने पर स्थायी नौकरियों की जगह अनुबंध आधारित रोजगार ने ले ली है। यह प्रवृत्ति केवल उद्योगों तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार और स्वास्थ्य सेवाओं और सार्वजनिक उपक्रमों तक फैल चुकी है। बीएमएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के अनुसार कई बड़े प्रतिष्ठानों में तो स्थायी कर्मचारियों की तुलना में ठेका कर्मचारियों की संख्या कई गुना अधिक हो चुकी है। बीएमएस इसे सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से चिंताजनक मानता है तथा सरकारों से ठेका कर्मियों के नियमितीकरण और बेहतर सेवा शर्तों पर गंभीर विचार की मांग कर रहा है।

संगठन का कहना है कि किसी भी श्रमिक को जॉब सिक्योरिटी, वेज सिक्योरिटी और सोशल सिक्योरिटी, ये तीनों अधिकार मिलने चाहिए। इससे न केवल श्रमिक का जीवन सुरक्षित होगा बल्कि उत्पादकता बढ़ेगी और राष्ट्र की आर्थिक शक्ति भी मजबूत होगी। बीएमएस आर्थिक असमानता के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। संगठन का दावा है कि देश के एक प्रतिशत लोगों के पास लगभग 40 प्रतिशत संसाधनों का नियंत्रण है, जबकि बड़ी आबादी सीमित संसाधनों में जीवन यापन कर रही है।

ऐसे में विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और श्रमिक वर्ग को विकास प्रक्रिया का समान भागीदार बनाया जाए। आगामी अधिवेशन में बीएमएस इन सभी मुद्दों को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में लाने की रणनीति के साथ सरकार से ठोस जवाब और समयबद्ध कार्रवाई की उम्मीद कर रहा।

(लेखक, विश्व संवाद केंद्र के संपादक हैं।)

बुद्ध के मुख्य शिष्यों की पवित्र विरासत

विवेक अग्रवाल

बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों - अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान - के पवित्र अवशेष १ से १० जून तक उलानबटोर के गंदन मठ में प्रदर्शनी के लिए भारतीय वायुसेना (IAF) के एक विशेष विमान से मंगोलिया ले जाए जाएंगे।

दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से, बौद्ध जगत में अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के नाम अत्यधिक श्रद्धा के केंद्र रहे हैं। गौतम बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों के रूप में, वे न केवल बुद्ध के सबसे करीबी आध्यात्मिक साथी थे, बल्कि उनके ज्ञानोदय के बाद धम्म के प्रमुख रक्षक और प्रसारक भी थे।

बौद्ध परंपरा के अनुसार, सारिपुत्त और महामोग्गल्लान का जन्म वर्तमान नालंदा के पास, मगध क्षेत्र के पड़ोसी गांवों में एक ही दिन हुआ था। सारिपुत्त का जन्म उपतिस्स गांव में हुआ था, जबकि महामोग्गल्लान का जन्म कोलित गांव में हुआ था। बचपन की दोस्ती के बंधन में बंधे इन दोनों जिज्ञासुओं ने अंततः परम सत्य की खोज में एक साथ सांसारिक जीवन का त्याग कर दिया। उनकी आध्यात्मिक यात्रा बुद्ध के सानिध्य में पूरी हुई, जहाँ वे जल्द ही प्रारंभिक संघ के दो सबसे प्रतिष्ठित सदस्यों के रूप में उभरे।

सारिपुत्त को ज्ञान और सैद्धांतिक विश्लेषण के सर्वोच्च गुरु के रूप में जाना जाता था। बौद्ध ग्रंथ उन्हें 'असाधारण बौद्धिक स्पष्टता' और 'करुणा एवं सटीकता के साथ शिक्षाओं को समझाने की अद्वितीय क्षमता' से संपन्न बताते हैं। उन्होंने भिक्षुओं के अनुशासन की देखरेख की, ध्यान साधना का मार्गदर्शन किया और स्वतंत्र रूप से भिक्षुओं को दीक्षित करने वाले पहले अधिकृत शिष्य बने। बुद्ध के सीधे निर्देश के बाद, बुद्ध के पुत्र राहुल को सारिपुत्त द्वारा एक नवदीक्षित भिक्षु (सामनेर) के रूप में दीक्षित किया गया था। उनके नेतृत्व और धम्म पर असाधारण पकड़ के कारण, बुद्ध ने उन्हें 'धम्म का सेनापति' (धम्मसेनापति) की उपाधि दी थी।

थेरवाद बौद्ध परंपरा के अनुसार, ज्ञान प्राप्त करने के बाद बुद्ध ने तावतिंस स्वर्ग में अपनी माता (जिनका वहां पुनर्जन्म हुआ था) सहित देवताओं को अभिधम्म की शिक्षा दी थी। इस अवधि के दौरान, बुद्ध हर दिन कुछ समय के लिए मानव लोक में लौटते थे, जहाँ वे सारिपुत्त को उन शिक्षाओं का सारांश सुनाते थे, और फिर सारिपुत्त उन शिक्षाओं को व्यवस्थित रूप से जन-जन तक पहुँचाते थे।

इसके विपरीत, महामोग्गल्लान को ध्यान और आध्यात्मिक उपलब्धियों के अग्रणी गुरु के रूप में सम्मान प्राप्त था। बौद्ध साहित्य में उन्हें गहन ध्यान शक्तियों और अस्तित्व के विभिन्न लोकों को देखने की क्षमता से युक्त बताया गया है। देवताओं, ब्रह्मों और दुखी अवस्थाओं में कष्ट भोग रहे जीवों के साथ अपने संवादों के माध्यम से, उन्होंने कर्म के सिद्धांतों और संसार की वास्तविकताओं को स्पष्ट किया। उनकी शिक्षाओं ने अनुयायियों को मानवीय कर्मों के नैतिक और आध्यात्मिक परिणामों की स्पष्ट समझ प्रदान की। गौतम बुद्ध ने अरहंत महामोग्गल्लान पर एक शिक्षक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और प्रारंभिक संघ के रक्षक के रूप में गहरा भरोसा किया, जो अक्सर अनुशासन और सामुदायिक नेतृत्व के मामलों में बुद्ध की ओर से कार्य करते थे। उन्होंने देवदत्त द्वारा पैदा किए गए संघ-भेद (विभाजन) को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे भिक्षुओं को बुद्ध के साथ फिर से एकजुट करने और बौद्ध समुदाय की एकता को बनाए रखने में मदद मिली।

पवित्र अवशेष और उनकी चिरस्थायी श्रद्धा

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण बुद्ध और बौद्ध संघ के लिए एक अत्यंत भावुक क्षण था। अरहंत सारिपुत्त ने बुद्ध के महापरिनिर्वाण से कुछ समय पहले, कत्तिका/कार्तिक (अक्टूबर/नवंबर) महीने की पूर्णिमा को अंतिम मुक्ति (परिनिर्वाण) प्राप्त की, जबकि परंपरा के अनुसार अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण लगभग पंद्रह दिन बाद, उसी महीने की अमावस्या को हुआ था।

बौद्ध परंपरा में, उन्हें आध्यात्मिक प्राप्ति का पवित्र प्रतीक और ज्ञानोदय का जीवंत स्मरण माना जाता है। इसलिए, अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के पवित्र अवशेष असाधारण महत्व रखते हैं, जो बुद्ध धम्म के त्रिरत्नों में से एक-'संघ' की साक्षात प्राप्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। विभिन्न बौद्ध संस्कृतियों में, ये पवित्र अवशेष आज भी भक्ति, तीर्थयात्रा और आत्मचिंतन को प्रेरित करते हैं। उनका आदर प्राचीन भारत से आधुनिक विश्व तक बुद्ध की शिक्षाओं की निरंतरता का प्रतीक है। इस गहरी श्रद्धा का एक भव्य नजारा फरवरी २०२४ में थाईलैंड में देखा गया, जो हाल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध राजकीय समारोहों में से एक था।

थाईलैंड की ऐतिहासिक २०२४ अवशेष प्रदर्शनी

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेष २३ फरवरी २०२४ को पहली बार भारत से बाहर गए, जब थाईलैंड ने बैंकॉक के सनम लुआंग में बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ-साथ अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों की स्थापना के लिए एक भव्य राजकीय समारोह का आयोजन किया था। इस ऐतिहासिक आयोजन की संयुक्त अध्यक्षता सोमदेत फ्रा संघराजा सकल महा संघपरिणायक और प्रधान मंत्री स्रेत्था थाविसिन ने की थी।

रॉयल थाई सरकार और भारत सरकार के सहयोग से 'गंगा-मेकांग पवित्र बुद्ध अवशेष' पहल के तहत आयोजित यह प्रदर्शनी, महा वजिरालोंगकोर्न की छठी-चक्र वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आयोजित उत्सवों का हिस्सा थी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) ने भारत से भिक्षुओं और शिक्षाविदों को लाने और बैंकॉक के सिल्पकर्न विश्वविद्यालय में एक पूर्ण दिवसीय विपश्यना कार्यक्रम आयोजित करके इस प्रदर्शनी के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस आयोजन ने भारी जन-भक्ति और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। बैंकॉक प्रदर्शनी के बाद, इन पवित्र अवशेषों को थाईलैंड के विभिन्न हिस्सों जैसे चियांग माई, उबोन रत्चाथानी और क्राबी ले जाया गया- जिससे देश के सभी क्षेत्रों के लगभग ५० लाख (५ मिलियन) बौद्धों को अवशेषों के दर्शन और श्रद्धा सुमन अर्पित करने का अवसर मिला।

मंगोलिया के लिए इन अवशेषों का महत्व क्यों है?

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों को मंगोलिया ले जाने की प्रासंगिकता 'धम्म वाहक' के रूप में उनकी भूमिका में निहित है-वे प्रारंभिक संघ के ऐसे स्तंभ थे जिनका जीवन बुद्ध की शिक्षाओं के प्रसार और सुरक्षा का साक्षात उदाहरण था। उनके दो मुख्य शिष्यों के पवित्र अवशेष संसार में उस ज्ञानोदय के संरक्षण, व्याख्या और प्रसार के प्रतीक हैं। अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान गहन साधना के माध्यम से धम्म की व्यावहारिक अनुभूति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

एक साथ मिलकर, दोनों शिष्यों ने बौद्ध अभ्यास के पूरक स्तंभों को साकार किया: ज्ञान और अनुभूति, सिद्धांत और प्रत्यक्ष अनुभव। इसलिए, उनके पवित्र अवशेष उन जीवंत सिद्धांतों के प्रतीक हैं जिनके माध्यम से मुक्ति संभव है, इस प्रकार वे शुद्धतम रूप में सिद्ध संघ का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका सम्मान करना, वास्तव में, मानव इतिहास में बुद्ध के ज्ञानोदय के सफल प्रसार का सम्मान करना है।

मंगोलिया के लिए, इन अवशेषों का आगमन असाधारण अर्थ रखता है। मंगोलिया की बौद्ध पहचान ऐतिहासिक रूप से श्रद्धा, विद्वता, संन्यासी अनुशासन और ध्यान परंपरा में रची-बसी रही है। इन पवित्र अवशेषों की उपस्थिति एक पवित्र और प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करती है, जो बुद्ध धम्म की जीवंत छवि को पूर्ण करती है। मंगोलिया में उनकी उपस्थिति मंगोलियाई भिक्षु समुदाय (संघ) के लिए एक अत्यंत दुर्लभ और शुभ आशीर्वाद है।

(लेखक भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में सचिव हैं)

आज का राशिफल

मेष: आज आपकी कार्यक्षमता और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। कारोबार में प्रगति के संकेत हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से राहत मिलने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: किसी छोटी भूल के कारण आपको आलोचना या असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक व्यवसाय में बच्चों का सहयोग लाभकारी सिद्ध होगा। विरोधियों पर आपका प्रभाव बना रहेगा। घर में अचानक मेहमानों का आगमन हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मन थोड़ा भ्रमित रह सकता है। जिद्दी व्यवहार के कारण आलोचना झेलनी पड़ सकती है। बदलती परिस्थितियों को स्वीकार करने में समय लगेगा। उच्च शिक्षा से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

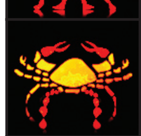
कर्क: आज अपने फैसलों पर भरोसा बनाए रखें। उच्च रक्तचाप के मरीजों को तनाव से दूर रहने की सलाह है। माता का मार्गदर्शन आपके लिए लाभदायक रहेगा। व्यापार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रह सकती है। कुछ लोग आपके कार्यों में बाधा डालने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

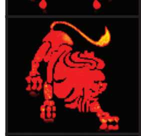
सिंह: नया कार्य आरंभ करने के लिए दिन अनुकूल रहेगा। नए लोगों से संबंध बनाते समय सावधानी बरतें। विरोधियों पर आपकी पकड़ मजबूत रहेगी। धन लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। व्यापार में बड़े समझौते या अनुबंध मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

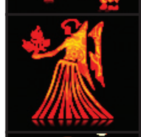
कन्या: पुराने अधूरे कार्यों को पूरा करने का दबाव बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों और कार्यों को महत्व मिलेगा। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। अत्यधिक व्यस्तता के कारण स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। आत्मविश्वास में थोड़ी कमी महसूस हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा। विदेश यात्रा या विदेशी संपर्कों से लाभ मिलने के संकेत हैं। रुके हुए कार्यों में तेजी आएगी। प्रेम संबंध मजबूत होंगे और जीवनसाथी के साथ समय अच्छा बीतेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: आज नए कार्यों की शुरूआत टालना बेहतर रहेगा। दांपत्य जीवन में कुछ तनाव महसूस हो सकता है। कार्यक्षेत्र में बाधाएं सामने आ सकती हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रह सकती है। स्वास्थ्य संबंधी खर्च भी बढ़ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: नए कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। कानूनी मामलों में सफलता मिलने के संकेत हैं। आप अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करेंगे। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आप अपनी कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। संपत्ति खरीदने या बेचने से लाभ होगा। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण मिलने की संभावना है। उच्च शिक्षा में शानदार प्रदर्शन करेंगे। योग, अध्यात्म और रहस्यमयी विषयों में रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: नए कार्यों को लेकर कई योजनाएं मन में बन सकती हैं। पिता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। विवादित विषयों में बहस से बचना हितकर रहेगा। काम के प्रति थोड़ी उदासीनता महसूस हो सकती है। धार्मिक और समाजसेवी लोगों से सम्मान मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीन: परिवार के कुछ सदस्य आपसे नाराज हो सकते हैं, लेकिन विवाद और बहस से दूर रहना ही बेहतर होगा। जीवनसाथी पर अनावश्यक संदेह करने से बचें। मनचाहे परिणाम न मिलने से मन थोड़ा उदास रह सकता है। सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं को नजरअंदाज न करें। *(सिटी दर्पण)*

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन: अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी (हि.स)

भील और भारिया की दो कहावतें हैं- भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिला से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है- 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भूला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ।

भारिया कहावत का अर्थ है- 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए।' जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा- 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाइयत, इस्लाम और वामपंथी विचारक रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे। लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है- 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं।'

दिल्ली के लालकिले पर रविवार को संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है, जब सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूकदर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है। लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरा लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं। यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।'

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि 'तुम हिंदू नहीं हो इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।' लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया। असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है। झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली-भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब भर में मौसमी बीमारियों के बढ़ते मामलों के बीच राज्य सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना बनी जीवनरेखा

पंजाब में मौसमी बुखार के बढ़ते मामलों के बीच मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत हजारों मरीजों को मिला कैशलेस इलाज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब में बदलते तापमान और उमस भरी गर्मी के आगमन के साथ एक बार फिर मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ना शुरू हो गया है। रोजमर्रा की बीमारियों से राहत दिलाने के लिए पहले से ही मरीजों की भारी भीड़ झेल रहे सरकारी अस्पतालों में अब बुखार संबंधी बीमारियों, सांस से जुड़ी संक्रमणों और पेट संबंधी समस्याओं के मामलों में नया इजाफा देखा जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार यह मौसमी लहर हर वर्ष चिंताजनक रूप से वापस लौटती है।

एक्यूट फेब्राइल इलनेस कोई एक बीमारी नहीं, बल्कि अचानक तेज बुखार के साथ उत्पन्न होने वाली ऐसी स्थिति है, जिसमें कई प्रकार की बीमारियां शामिल हो सकती हैं। यूएस सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, ऐसी स्थितियां वायरल, बैक्टीरियल या परजीवी संक्रमणों के कारण हो सकती हैं। कई बार मरीज बुखार को मुख्य लक्षण मानकर अस्पताल पहुंचते हैं, जबकि संक्रमण का वास्तविक कारण शुरूआती चरण में स्पष्ट नहीं हो पाता।

पंजाब की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के ताजा आंकड़े बताते हैं कि पिछले चार महीनों में एक्यूट फेब्राइल इलनेस कैशलेस इलाज के दावों की सबसे बड़ी श्रेणियों में शामिल रही। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एसएचए) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, एक्यूट फेब्राइल इलनेस के 5,840 मामले दर्ज किए गए, जिन पर 1.31 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया गया।

इसके अलावा, पानी से फैलने वाली और सांस संबंधी बीमारियों के मामले भी सामने आए। एंटेरिक फीवर के 1,396 मामले दर्ज हुए, जिन पर 30.47 लाख रुपये के दावे किए गए। निमोनिया के 377 मामलों पर 11.06 लाख रुपये, जबकि एक्यूट ब्रोंकाइटिस के 326 मामलों पर 9.24 लाख रुपये खर्च हुए। वहीं मानसून के दौरान अक्सर चर्चा में रहने वाली बीमारियों के मामले तुलनात्मक रूप से कम रहे। डेंगू के केवल 12 मामले दर्ज हुए, जिन पर 40,880 रुपये का दावा हुआ। मलेरिया के सिर्फ 3 मामले, चिकनगुनिया के 6 मामले और हीट स्ट्रोक के 4 मामले सामने आए, जो यह दर्शाता है कि इस अवधि के दौरान अत्यधिक गर्मी से संबंधित अस्पताल में भर्ती होने के मामले तुलनात्मक रूप से कम हैं।

हालांकि, जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने की सलाह दे रहे हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के एक अध्ययन के अनुसार बारिश, मच्छरों की बढ़ती संख्या और स्थानीय स्वच्छता की स्थितियों के अनुसार मौसमी प्रकोप तेजी से बदल सकते हैं।

सिविल अस्पताल, पटियाला के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. विकास गोयल ने बताया कि यह स्थिति हर वर्ष ओपीडी में देखे जाने वाले सामान्य मौसमी दबाव को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि अधिकांश मामलों को प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर आसानी से संभाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण एक्यूट फेब्राइल इलनेस, उल्टियां, दस्त, सिरदर्द, सांस से जुड़ी संक्रमणों तथा त्वचा और आंखों से संबंधित एलर्जी के मामले बढ़ जाते हैं। गर्म मौसम के कारण लोग अक्सर इलाज में देरी कर देते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो सकती है।

डॉ. विकास गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है, क्योंकि इसके तहत उन्हें बिना आर्थिक बोझ के अस्पताल में भर्ती होकर कैशलेस इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा, यह योजना सुनिश्चित करती है कि मरीज अग्रिम भुगतान की चिंता किए बिना समय पर इलाज प्राप्त कर सकें। डॉ. विकास गोयल ने बताया, इस योजना के तहत बीमारी का तुरंत पता लगाना और इलाज कई लोगों की जान बचाने में मदद कर सकता है, क्योंकि अब मरीजों को खर्च की चिंता के कारण चिकित्सा सहायता लेने में देरी होने की संभावना कम हो गई है।

बच्चे अत्यधिक गर्मी और उमस वाले मौसम में सबसे अधिक संवेदनशील रहते हैं। गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज, फरीदकोट के बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉ. शशि कांत धीर ने चेतावनी दी कि नवजात और छोटे बच्चे संक्रमण की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। उन्होंने बताया कि ठीक से भोजन न करना, बार-बार उल्टियां होना, तेज सांस चलना, डिहाइड्रेशन, दौरे पड़ना और लगातार बुखार जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को किसी भी प्रकार का बुखार होने की स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय देखभाल देना आवश्यक है।

डॉ. शशि कांत धीर ने यह भी कहा कि जागरूकता अभियान, स्वच्छता शिक्षा, टीकाकरण और मच्छर नियंत्रण उपायों के माध्यम से संक्रमण के फैलाव को रोकने में अभिभावकों, आशा वर्करों, आंगनवाड़ी कर्मचारियों और स्कूलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। फिलहाल, जैसे-जैसे पंजाब एक और लंबी गर्मी के लिए तैयारी कर रहा है, अस्पतालों के भीड़भाड़ वाले गलियारे यह याद दिला रहे हैं कि मौसमी बीमारियां आज भी परिवारों और जन स्वास्थ्य प्रणाली दोनों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के दो कैडेट बने भारतीय नौसेना के अधिकारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/एसएएस नगर

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के दो कैडेटों अर्पित पराशर (9वां कोर्स) और विशेष सूद (10वां कोर्स) को आज केरल के एझीमाला में इंडियन नेवल अकादमी की पासिंग आउट परेड (पीओपी) में भारतीय नौसेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त हुआ। परेड का निरीक्षण वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, ए.वी.एस.एम., एन.एम., दक्षिणी नेवल कमांड के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा किया गया।

संगरूर जिले के धूरी निवासी कैडेट अर्पित तथा एसएएस नगर (मोहाली) निवासी कैडेट विशेष सूद ने इंस्टीट्यूट में दो वर्ष का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) में तीन वर्ष तथा आईएनए में एक वर्ष का सेवा-विशेष प्रशिक्षण पूरा किया। अब वे जल्द ही भारतीय नौसेना में अपनी सेवाएं निभाएंगे।

दोनों कैडेटों को बधाई देते हुए पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के उन युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सशस्त्र सेनाओं में शामिल होना चाहते हैं। इन अधिकारियों ने पंजाब का गौरव बढ़ाया है। आने वाले समय में कई अन्य कैडेट भी नई ऊंचाइयों को छुएंगे। इन कैडेटों के कमीशंड अधिकारी बनने के साथ ही भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त करने वाले महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के कैडेटों की संख्या 24 हो गई है, जो संस्थान के लिए एक नया मील का पत्थर है। महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के निदेशक मेजर जनरल अजय एच चौहान, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इन कैडेटों के अलावा संस्थान के 24 अन्य कैडेट भी अपने एसएसबी इंटरव्यू पास कर चुके हैं और जून 2026 से विभिन्न प्रशिक्षण अकादमियों में शुरू होने वाले कोर्सों के लिए जॉइनिंग लेटर का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने नव-नियुक्त अधिकारियों के राष्ट्र सेवा में उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पंजाब में बकरीद का पर्व धूमधाम से मनाया

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब के विभिन्न शहरों में गुरुवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व मनाया गया। मलेरकोटला, संगरूर, मोहाली, जालंधर, लुधियाना आदि शहरों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने भाग लिया। लुधियाना की मुख्य जामा मस्जिद में शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमानी ने कहा कि यह पर्व आपसी स्नेह और भाईचारे का संदेश लेकर आता है। उन्होंने कहा कि ईद यह भी प्रेरणा देती है कि जब कभी देश को हमारे प्राणों की या धन दौलत की जरूरत हो तो उसे पेश किया जाए। लुधियाना में आयोजित कार्यक्रम में नाइजीरिया के छात्र भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद के पास मंदिर और गुरुद्वारा देखकर उन्हें बेहद खुशी होती है। चंडीगढ़ के सेक्टर 29 स्थित मस्जिद में नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर बकरीद की बधाई दी। साथ ही मुस्लिम समाज के कुछ प्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों ने सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की। उनका कहना था कि गाय भारतीय संस्कृति और आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए प्रभावी नीति बनाई जानी चाहिए।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब विधानसभा के स्पीकर द्वारा उर्दू के मशहूर शायर डॉ. बशीर बद्र के निधन पर गहरा दुख व्यक्त

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने विश्व भर में प्रसिद्ध उर्दू शायर डॉ. बशीर बद्र के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। शोक संदेश में स्पीकर संधवां ने कहा कि डॉ. बशीर बद्र आधुनिक उर्दू साहित्य के ऐसे महान विद्वान थे, जिन्होंने गजल शैली को जटिल रूपकों से बाहर निकालकर आम लोगों के दिलों तक पहुँचाया। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. बशीर बद्र का निधन भारतीय साहित्य में एक शानदार युग के अंत का संकेत है। उनकी शायरी, जो अपनी विशिष्ट सादगी, भावनात्मक गहराई और मानवीय वास्तविकताओं के प्रतिबिंब के लिए जानी जाती है, विश्व भर के शायरी प्रेमियों की पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। साहित्य के प्रति उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों द्वारा सदैव याद रखा जाएगा। विश्व भर में प्रसिद्ध शायर के शोक में डूबे परिवार, मित्रों और अनगिनत प्रशंसकों के साथ अपनी हार्दिक संवेदनाएँ साझा करते हुए स्पीकर ने परमात्मा से प्रार्थना की कि वह दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दे।

गैंगस्टरों ते वार का 128वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 364 स्थानों पर छापेमारी; 92 गिरफ्तार

चंडीगढ़। राज्य में चल रही निर्णायक मुहिम गैंगस्टरों ऱी वार के 128वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 364 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक लड़ाई है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। 128वें दिन पुलिस टीमों ने एक हथियार सहित 92 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिसके साथ ही अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 32,397 हो गई है। सके अतिरिक्त 62 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 16 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने एक भगोड़े को भी गिरफ्तार किया है। लोग,एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं तथा अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचना भी दे सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को 453वें दिन भी जारी रखते हुए आज 50 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 935 ग्राम हेरोइन, 500 ग्राम अफीम और 6000 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 453 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 65,646 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने आज छह व्यक्तियों को नशा छुड़ाने एवं पुनर्वास उपचार करवाने के लिए प्रेरित किया है।

भाजपा पंजाब में नेतृत्व को आउटसोर्स कर रही है: वड़िंग

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने आज भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूर्व कांग्रेसी नेता केवल सिंह ढिल्लों को अपना प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर तंज कसा है। इस नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा द्वारा केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाना अपने आप में पंजाब में पार्टी की स्थिति को बयान करता है। उन्होंने कहा कि जो पार्टी पंजाब में सरकार बनाने के ह्लदिन में सपनेह्न देख रही है, उसे अपने ही घर में प्रदेश की अगुवाई करने के लिए कोई योग्य व्यक्ति नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी के पास अब अपने प्रदेश अध्यक्ष भी आउटसोर्स करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और उसने लगातार दूसरी बार पूर्व कांग्रेसियों को, पहले सुनील जाखड़ और अब केवल सिंह ढिल्लों को नियुक्त किया है।

पुलिस द्वारा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सर्च अभियान चलाया गया

अमृतसर। शहर में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, आम जनता में सुरक्षा की भावना पैदा करने तथा शरारती तत्वों पर नकेल कसने के उद्देश्य से अमृतसर में पंजाब पुलिस द्वारा आज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सर्च एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की अगुवाई में अलग-अलग टीमों का गठन कर संवेदनशील एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में गहन जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर ऐसे सर्च अभियान चलाए जाते हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है, इसलिए ये स्थान सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसी कारण यहां विशेष सतर्कता बरती गई और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए चेकिंग की गई। सर्च अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन के वेटिंग हॉल, प्लेटफॉर्म, पार्किंग क्षेत्र, टिकट घर, लगेज पॉइंट एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई। इसके साथ ही मौजूद यात्रियों के सामान एवं लावारिस वस्तुओं की भी जांच की गई। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्तों को भी अभियान में तैनात किया गया ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते निष्क्रिय किया जा सके। पुलिस टीमों ने सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उनसे पूछताछ भी की। इसके अलावा कई स्थानों पर वाहनों की जांच की गई तथा उनके दस्तावेजों की भी पड़ताल की गई।

चुनाव ड्यूटी से गैरहाजिर रहने पर 70 कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश, शिक्षकों में रोष

एजेंसी (हि.स.)
फिरोजपुर

पंजाब के फिरोजपुर में स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कथित तौर पर पोलिंग ड्यूटी से गैरहाजिर रहने वाले 70 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। इनमें कई शिक्षक भी शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद शिक्षकों में भारी रोष देखने को मिल रहा है।

एसडीएम-कम-रिटर्निंग ऑफिसर अभिषेक शर्मा ने इन कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 208 तथा पंजाब राज्य चुनाव आयोग अधिनियम, 1994 की धारा 120 के तहत कार्रवाई की सिफारिश की है। एफआईआर की सिफारिश के बाद जिन शिक्षकों के नाम सूची में शामिल हैं, उन्होंने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शिक्षक यूनियनों ने प्रशासन पर उत्पीड़न, कुप्रबंधन और पोलिंग स्टाफ को परेशान करने के आरोप लगाए हैं।

कई शिक्षकों का कहना है कि उन्होंने चुनाव ड्यूटी पूरी ईमानदारी से निभाई और देर रात तक बैलेट बॉक्स जमा करवाए, इसके बावजूद उन्हें अनुपस्थित दिखा दिया गया। शिक्षकों ने दावा किया कि मतदान समाप्त होने के बाद भी वे देर रात तक चुनाव प्रक्रिया में लगे रहे। बैलेट बॉक्स जमा करवाने और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद प्रशासन की ओर से उन्हें गैरहाजिर चिह्नित कर दिया गया, जो पूरी तरह गलत है। शिक्षक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और जिन कर्मचारियों ने ड्यूटी निभाई है, उनके खिलाफ की जा रही कार्रवाई तुरंत वापस ली जाए। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने फैसला वापस नहीं लिया तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

पंजाब चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा फैसला केवल सिंह ढिल्लों को बनाया प्रदेश अध्यक्ष

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब में अगले साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठन में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने बरनाला के पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा पंजाब प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उपरोक्त नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

ढिल्लों बरनाला से दो बार (2007 और 2012) विधायक रह चुके हैं। उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का करीबी माना जाता है। केवल ढिल्लों करीब चार साल पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। अब वह पंजाब में भाजपा का सिख चेहरा होंगे। इससे पहले पार्टी ने सुनील जाखड़ को प्रधान बनाया था।

गुरुवार को जिस समय केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया, उस समय वह चंडीगढ़ स्थित पंजाब लोक भवन में थे। भाजपा के कुछ नेता आज केवल सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में चुनाव आयोग से मुलाकत करने के लिए पहुंचे हुए थे।

ढिल्लों ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 2027 में पंजाब में कमल का फूल खिलेगा, भाजपा की सरकार बनेगी। सारी भारतीय जनता पार्टी इकट्ठी है। मिलकर बातचीत करेंगे। पश्चिम बंगाल के बाद अब पंजाब की बारी है।

केवल सिंह ढिल्लों पंजाब के बरनाला जिला के तल्लेवाल गांव से हैं। उनका जन्म 16 मई 1950 को हुआ था। वह पंजाब के बड़े उद्योगपतियों और प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं।

वह ढिल्लों ग्रुप के प्रमुख हैं। उनकी शुरूआती पढ़ाई बरनाला में हुई थी। वह लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहे। कांग्रेस के टिकट पर वह 2007 और 2012 में बरनाला से विधायक चुने गए थे। 2017 में आम आदमी पार्टी के गुरमीत सिंह मीत हेयर ने उन्हें हराया था। जून 2022 में कांग्रेस पार्टी छोड़ी और भाजपा में शामिल हो गए थे।

जीरकपुर में टिकाऊ शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बिल्डरों के साथ की विचार-विमर्श बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
जीरकपुर/चंडीगढ़

जागरूकता और आपसी सहयोग के माध्यम से पर्यावरण संबंधी नियमों के पालन को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पी.पी.सी.बी.), क्षेत्रीय कार्यालय एस.ए.एस. नगर द्वारा जीरकपुर में बिल्डर वेलफेयर एसोसिएशन के साथ एक विचार-विमर्श बैठक आयोजित की गई। इस सत्र का आयोजन सुपरिंटेंडिंग एनवायरनमेंटल इंजीनियर (एस.ई.ई.) इंजीनियर गुरशरण दास गर्ग और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (ई.ई.) इंजीनियर कंवलदीप कौर की अगुवाई में किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संबंधी नियमों को सरल बनाना और बिल्डरों को निर्माण एवं हाउसिंग प्रोजेक्ट्स से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में मार्गदर्शन देना था। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि बोर्ड का उद्देश्य केवल कानून लागू करना ही नहीं, बल्कि बेहतर तालमेल और पारदर्शिता के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ शहरी विकास में सहायता करना भी है। बैठक के दौरान एस.ई.ई. ने परियोजनाओं के निर्माण और उनके संचालन (ऑपरेशनल) दोनों चरणों के दौरान पर्यावरण क्लीयरेंस (ई.सी.) की शर्तों का पालन करने के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने सलाह दी कि निर्माण चरण के दौरान पर्यावरण नियमों को बड़े बोर्डों पर प्रदर्शित किया जाए ताकि वहां कार्यरत स्टाफ और मजदूरों को इन नियमों को लागू करने की लगातार याद बनी रहे। बिल्डरों को प्रेरित किया गया कि वे किसी तीसरे पक्ष (एजेंटों) पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय आवेदन फार्मों को स्वयं पढ़ें, समझें और सही तरीके से भरें, ताकि आपसी समन्वय बेहतर हो सके और नियमों के पालन की प्रक्रिया आसान बने। आगामी मानसून सीजन की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। बिल्डरों को सलाह दी गई कि वे वर्षा जल संचयन गड्ढों (रेनवॉटर हार्वेस्टिंग पिट्स) की सफाई करवाएं और यह सुनिश्चित करें कि भूजल की गुणवत्ता को सुरक्षित रखने के लिए रिचार्ज प्रणालियों में केवल सतह का साफ पानी ही जाए।

बोर्ड ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एस.टी.पी.) को सही तरीके से संचालित करने, उपचारित पानी की ड्यूल प्लंबिंग और बागवानी में उपयोग सुनिश्चित करने तथा घरेलू गंदे पानी को बिना अनुमति बाहर छोड़ने से सख्ती से बचने के लिए भी कहा। अधिकारियों ने रिहायशी सोसाइटियों के भीतर और आसपास बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, पर्यावरण-अनुकूल सामग्री और टिकाऊ जीवन शैली अपनाकर ठोस कचरे (सॉलिड वेस्ट) के उत्पादन को कम करने की वकालत की। बैठक में शामिल बिल्डरों ने बोर्ड के इस पारदर्शी और मित्रतापूर्ण संवाद के तरीके की सराहना की। बिल्डर्स एसोसिएशन, जीरकपुर के प्रधान श्री हरीश गुप्ता ने बिल्डर समुदाय की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया और ऐसी बैठकों को लगातार आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जीरकपुर के टिकाऊ शहरी विस्तार के लिए क्षेत्र में अधिक एस.टी.पी. की बढ़ती आवश्यकता के बारे में भी बताया।

इस अवसर पर बोर्ड की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने कहा, पर्यावरण संरक्षण तभी वास्तव में प्रभावी होता है जब रेगुलेटर (प्रशासन) और हितधारक (स्टेकहोल्डर) आपसी विश्वास और साझा जिम्मेदारी के साथ मिलकर कार्य करते हैं। हमारा उद्देश्य जागरूकता, पारदर्शिता और व्यावहारिक मार्गदर्शन के माध्यम से पर्यावरण नियमों के पालन की संस्कृति विकसित करना है, ताकि पंजाब का शहरी विकास टिकाऊ, मजबूत और नागरिक-अनुकूल बना रहे। आपसी समन्वय की कमी को दूर करने और दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण के नए रास्ते खोलने के लिए ऐसी चचाएं अत्यंत आवश्यक हैं। इस पहल की सराहना करते हुए हरीश गुप्ता ने कहा, यह बिल्डरों के लिए वास्तव में एक बहुत ही शिक्षाप्रद सत्र था और मुझे उम्मीद है कि इससे क्षेत्र के पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। हम दूरदर्शी सोच रखने वाली माननीय चेयरपर्सन मैडम के भी अत्यंत आभारी हैं, जिन्होंने पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और बिल्डरों के बीच समन्वय की कमी को दूर करने के लिए यह पहल की। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सहभागी शासन (पार्टिसिपेटरी गवर्नेंस) और पर्यावरण के प्रति जागरूक विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए पूरे पंजाब में ऐसी मुहिमों को लगातार जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ईरान-अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा

गोलीबारी और धमाकों से क्षेत्र में बढ़ी चिंता, दोनों देशों के बीच शांति वार्ता पर असर

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान/वाशिंगटन

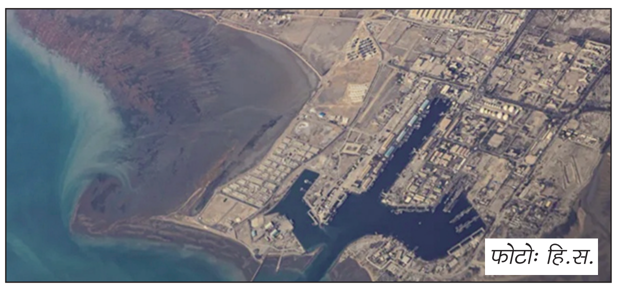

फोटोः हि.स.

ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति समझौते की वार्ता के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव बढ़ने से स्थिति गंभीर हो गई है। खबर है कि 27-28 मई की दरमियानी रात इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने अमेरिका के एक टैंकर (जहाज) पर गोलीबारी की है। कहा जा रहा है कि इस टैंकर ने रडार सिस्टम बंद कर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश की। इसके जवाब में अमेरिका ने ईरान के बंदर अब्बास के आसपास गोलीबारी की।

बंदर अब्बास दक्षिणी ईरान का प्रमुख बंदरगाह शहर है। यह होर्मुज जलडमरूमध्य पर स्थित है। अल जजीरा, तस्नीम, एबीसी न्यूज और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बंदर अब्बास के पास धमाकों की घटना पर ईरान ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह घटनाक्रम दोनों देशों के बीच चल रहे अस्थाई संघर्ष विराम के लिए चुनौती है। अधिकारियों ने इन हमलों को रक्षात्मक बताया। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि हमले में चार ईरानी ड्रोन मार गिराए गए हैं। बंदर अब्बास के बंदरगाह शहर में एक भूमिगत कंट्रोल स्टेशन पर हमला किया गया। यहां से पांचवां ड्रोन लॉन्च करने की तैयारी की जा रही थी।

यह हमले दक्षिणी ईरान पर आत्मरक्षा के जवाब में किए गए हमलों के ठीक दो दिन बाद हुए। दो दिन पहले मिसाइल लॉन्च साइटों और ईरानी नावों को निशाना बनाया गया था। इस समय होर्मुज युद्ध के मैदान जैसा बन गया है। बंदर अब्बास बंदरगाह के पास धमाकों से दहशत है। इस बीच ओवल ऑफिस में लौटने के बाद से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैबिनेट बैठक की है। बैठक में ईरान के साथ बातचीत का मुद्दा सबसे अधिक हावी रहा। इस संघर्ष को खत्म करने के लिए ट्रंप पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स दोनों का काफी दबाव है। राष्ट्रपति ने कहा, वह एक बेहतरीन समझौता करना चाहते हैं। ऐसा समझौता जो संतोषजनक न हो और अमेरिकी हितों को पूरा न करता हो, उन्हें मंजूक नहीं होगा। सनद रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई की घोषणा की थी। इसके बाद अमेरिका और इजराइल ने मिलकर सैन्य, सरकारी और बुनियादी ढांचों को निशाना बनाते हुए जबरदस्त हमले किए। इसके बाद दो हफ्ते के संघर्ष विराम की घोषणा हुई।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर ट्रंप का बड़ा बयान कहा- अमेरिका रखेगा निगरानी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि यह समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुला रहेगा और अमेरिका इसकी निगरानी करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र से जुड़ी व्यवस्थाएं ईरान के साथ चल रही बातचीत का हिस्सा हैं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य किसी एक देश के नियंत्रण में नहीं रहेगा और इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस क्षेत्र पर नजर बनाए रखेगा, लेकिन किसी भी देश को इस पर नियंत्रण स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने ओमान को भी चेतावनी देते हुए कहा कि उसे क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप से बचना चाहिए। हालांकि उनके इस बयान को लेकर अभी तक ओमान की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नेपाल के 'जेन जी आंदोलन' पर मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट

- हिंसा और आगजनी को बताया पूर्व नियोजित षड्यंत्र, संसद भवन तक को निशाना बनाने की थी तैयारी

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल में सितंबर 2025 में सोशल मीडिया प्रतिबंध हटाने और सुशासन की मांग को लेकर हुए 'जेन जी आंदोलन' पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की जांच रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आंदोलन पूरी तरह स्वतःस्फूर्त और शांतिपूर्ण नहीं था, बल्कि इसे हिंसक और विध्वंसक बनाने की पूर्व-योजना तैयार की गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार 8 और 9 सितंबर 2025 को काठमांडू में हुए प्रदर्शन के दौरान कुछ समूह आंदोलन को शांतिपूर्ण रखना चाहते थे, जबकि दूसरे समूह ने योजनाबद्ध तरीके से भीड़ को उकसाकर हिंसा फैलाने की कोशिश की। आयोग ने कहा कि संसद भवन और सरकारी परिसरों तक में आगजनी की तैयारी पहले से की गई थी। आयोग की जांच में सामने आया कि प्रदर्शन से पहले सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के जरिए माहौल बनाया गया। कुछ वेबसाइट और स्कूलों के डिजिटल बोर्ड हैक कर 'अब और स्क्रीन नहीं, हम सड़कों पर हैं' और 'हमें लाइक्स नहीं चाहिए, हमें बदलाव चाहिए' जैसे संदेश प्रसारित किए गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 'नेपाल जागो' नामक टिकटॉक अकाउंट से प्रदर्शन से पहले पेट्रोल बम तैयार रखने का सार्वजनिक आह्वान किया गया था। इसके अलावा संसद भवन और सिंहदरबार में आगजनी दशार्ने वाली एआई आधारित तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किए गए थे।

छात्रों को 'मानव ढाल' बनाने की कोशिश

मानवाधिकार आयोग ने दावा किया कि प्रदर्शन में छात्रों को 'मानव ढाल' के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए नेपाल पुलिस के नाम से फर्जी फेसबुक पेज बनाकर यह भ्रम फैलाया गया कि स्कूल यूनिफॉर्म में आने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्रों से यूनिफॉर्म पहनकर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की गई। आयोग ने कहा कि घटना के बाद संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट्स को निष्क्रिय कर दिया गया, जो पूरे घटनाक्रम के सुनियोजित होने की ओर संकेत करता है। रिपोर्ट के मुताबिक आयोजकों ने प्रशासन से 500 से 800 लोगों की मौजूदगी बताकर अनुमति ली थी, लेकिन प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही प्राथमिक उपचार के लिए टेंट, स्वास्थ्य स्वयंसेवक और तीन एम्बुलेंस की व्यवस्था कर दी गई थी। आयोग ने इसे संदिग्ध बताया है।

तृणमूल नेता ने खेत में छुपाई मुद्रा, खुदाई में दो करोड़ 24 लाख रुपये बरामद

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

फोटोः हि.स.

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के तृणमूल कांग्रेस नेता और बादुड़िया नगर पालिका के चेयरमैन दीपंकर भट्टाचार्य से जुड़े मामले में पुलिस ने पाट के खेत से दो करोड़ 24 लाख रुपये बरामद किए हैं। बुधवार शाम से शुरू हुई नोटों की गिनती पूरी रात चलती रही। बैंक कर्मियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में चार बार गिनती के बाद पुलिस ने गुरुवार तड़के बरामद रकम की आधिकारिक पुष्टि की।

पुलिस ने सोमवार को दीपंकर भट्टाचार्य को एक होटल से गिरफ्तार किया था। उस समय भी उनके पास से करीब 80 लाख रुपये बरामद हुए थे। मंगलवार को अदालत ने उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा। बुधवार को पुलिस दीपंकर को साथ लेकर तृणमूल कार्यालय के पास स्थित एक जमीन पर पहुंची। वहां पाट के खेत में एक जगह खुदाई करने पर बैगों में भरी भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। पुलिस ने मौके से नकदी से भरे चार ट्रॉली बैग और एक बोरा जब्त किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सभी बैगों में 500 रुपये के नोटों की गड्डिया थीं। सोमवार रात दीपंकर भट्टाचार्य की गिरफ्तारी के बाद बादुड़िया नगरपालिका के एक बंद पड़े कंप्यूटर सेंटर से भी करीब चार हजार सरकारी तिरपाल और 80 लाख रुपये बरामद किए गए थे। स्थानीय स्तर पर आरोप लग रहे हैं कि यह राशि आवास योजना से जुड़े घोटाले या अवैध वसूली से जुड़ी हो सकती है।

मणिपुर में यूएनएलएफ (पी) कैडर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने जबरदस्ती वसूली और अवैध शराब के खिलाफ अपने अभियान को तेज कर दिए हैं, जिसके चलते दो अलग-अलग अभियानों में एक संदिग्ध उग्रवादी सदस्य को गिरफ़्तार किया गया और बड़ी मात्रा में शराब जब्त की गई। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने गुरुवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने 26 मई को लामलोंग इलाके से प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) प्रोग्रेसिव (पी) से जुड़े एक कथित वसूली करने वाले को गिरफ़्तार किया। आरोपित की पहचान हेइसनाम जीबन सिंह (51) के रूप में हुई, जो थांगा हेइसनाम लेइकाई का रहने वाला है और फि लहाल चेकॉन ट्राइबल मार्केट के पास रह रहा है। अभियान के दौरान उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ़्तारी उग्रवाद से जुड़ी वसूली की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी, जो राज्य के कुछ हिस्सों में व्यापारियों और छोटे व्यवसायों को लगातार प्रभावित कर रही हैं। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर, सुरक्षा कर्मियों ने लंगोल इलाके में एक और तलाशी अभियान चलाया। इस तलाशी के दौरान बुनाई की 18 लकड़ी की मशीनें बरामद हुईं, जिनके बारे में संदेह है कि उन्हें स्थानीय निवासियों और कारीगरों से जबरदस्ती वसूला गया था।

राजस्थान में स्कॉर्पियो में जिंदा जले पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित चार लोग, हत्या का अंदेशा

एजेंसी (हि.स.)
अजमेर (राजस्थान)

फोटोः हि.स.

अजमेर जिले में गुरुवार तड़के एक स्कॉर्पियो में आग लगने से पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित चार लोग जिंदा जल गए। घटना बोराड़ा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुरा गांव के पास सुबह करीब 5:30 बजे हुई। शुरूआती तौर पर मामला हादसा माना जा रहा था, लेकिन मौके से मिले सुबूतों के बाद पुलिस अब हत्या के एंगल से भी जांच रही है।

इस घटना में श्रीरामपुरा निवासी एवं पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी, उनकी मां एवं पूर्व सरपंच पुसी देवी, पत्नी एवं कांग्रेस समर्थित निवर्तमान जिला परिषद सदस्य सुरज्ञान देवी तथा भांजी महिमा की मौत हो गई। चारों के शव स्कॉर्पियो में बुरी तरह जले हुए मिले। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पूर्व सरपंच पुसी देवी के सीने में दर्द की शिकायत थी। इसी कारण रामसिंह चौधरी उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए सुबह घर से निकले थे। कार में परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर अचानक वाहन में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी आग का गोला बन गई और अंदर बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। आग इतनी भीषण थी कि आसपास से पानी के टैंकर बुलाकर आग पर काबू पाया गया। हादसे के कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला सहित पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब पुलिस जांच के दौरान मृतक सुरज्ञान देवी के गले पर खून के निशान पाए गए। इसके अलावा तलाशी में पुलिस को दो ईंटें और खून के धब्बे भी मिले हैं। इन परिस्थितियों ने घटना को संदिग्ध बना दिया। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या फिर इसके पीछे कोई साजिश है, इसकी गहन जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस इसे हत्या मानकर भी जांच आगे बढ़ा रही है। रामसिंह चौधरी क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय चेहरा माने जाते थे। वे बोराड़ा ग्राम पंचायत के सरपंच रह चुके थे और किशनगढ़ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव भी लड़ चुके थे। उनकी मां पुसी देवी भी कासीर ग्राम पंचायत की सरपंच रह चुकी थीं।

ट्विशा शर्मा मामलाः मप्र हाईकोर्ट ने सास गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत की निरस्त

- उच्च न्यायालय ने कहा- ट्रायल कोर्ट ने सुबूतों को अनदेखा किया

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के चर्चित अभिनेत्री ट्विशा शर्मा मौत मामले में उच्च न्यायालय ने बुधवार देरात एक बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायालय ने मृतका की सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को मिली अग्रिम जमानत को रद कर दिया है। न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की एकल पीठ ने अपने 17 पन्नों के विस्तृत आदेश में भोपाल के 10वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा 15 मई को दिए गए जमानत आदेश को खारिज कर दिया।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने साफ तौर पर माना कि मामले की गंभीरता, उपलब्ध सुबूतों और जांच के शुरूआती चरण को देखते हुए आरोपी पक्ष को ऐसी राहत देना किसी भी तरह से न्यायोचित नहीं था। इस फैसले के बाद अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) किसी भी वक्त गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर सकती है। कोर्ट ने अपने आदेश में निचली अदालत (ट्रायल कोर्ट) के फैसले पर भी गंभीर टिप्पणियां की हैं। अदालत ने कहा कि निचली अदालत ने केस डायरी और उपलब्ध साक्ष्यों का सही तरीके से परीक्षण ही नहीं किया।

कोर्ट ने दूसरी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि ट्विशा के शरीर पर फांसी के फंदे के अलावा चोटों के कई अन्य निशान भी पाए गए थे। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक ये चोटें ऐसी नहीं थीं जो केवल शव को फंदे से नीचे उतारने के दौरान आई हों।

आरोपी पक्ष अदालत के समक्ष इन चोटों का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसे न्यायालय ने बेहद महत्वपूर्ण माना और कहा कि इन परिस्थितियों में कस्टोडियल इंटरोगेशन (हिरासत में पूछताछ) के जरिए गहन जांच की आवश्यकता है।

एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे की याद में मनाया जाता है अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस

29 मई 1953 को पहली बार फतह हुई थी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी

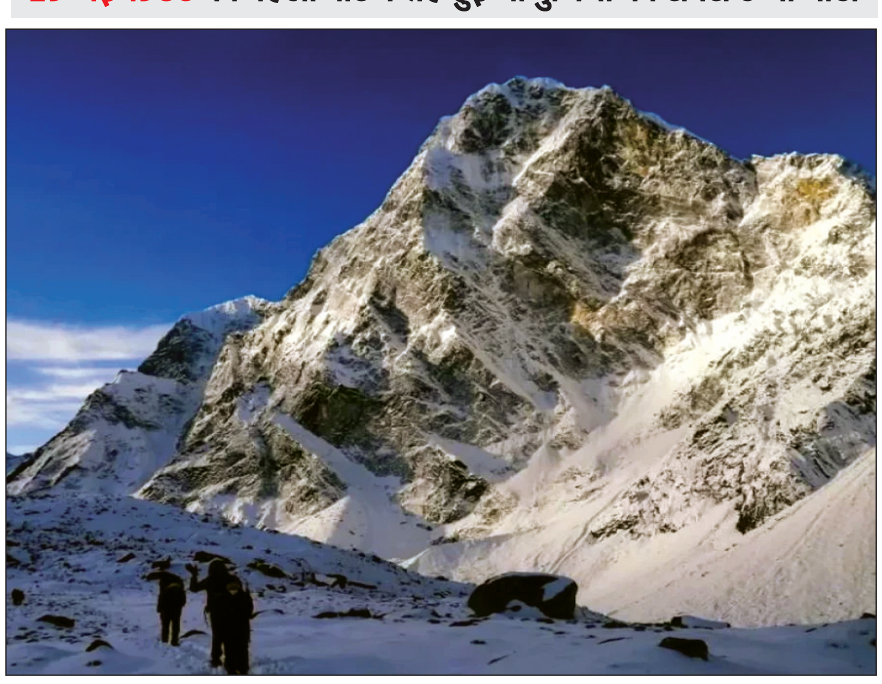

दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट को पहली बार फतह करने वाले सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे की ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में हर वर्ष 29 मई को अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है। यह दिन पर्वतारोहण के साहस, समर्पण और रोमांच का प्रतीक माना जाता है। माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 8,848 मीटर है और यह नेपाल तथा चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है। वर्ष 1953 में न्यूजीलैंड के पर्वतारोही एडमंड हिलेरी और नेपाल के शेरपा तेनजिंग नोर्गे ने पहली बार इसकी चोटी तक पहुंचकर इतिहास रचा था। उनकी इस सफलता के सम्मान में नेपाल सरकार ने अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस मनाने की शुरूआत की।

2008 से मनाया जा रहा विशेष दिवस

सर एडमंड हिलेरी के निधन के बाद वर्ष 2008 से इस दिवस को विशेष रूप से मनाया जाने लगा। इसका उद्देश्य पर्वतारोहियों को सम्मान देना, पर्वतारोहण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नेपाल के पर्यटन को प्रोत्साहित करना भी है।

क्यों खास है यह दिन

अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस केवल एक विजय गाथा का उत्सव नहीं है, बल्कि यह पर्वतारोहण के जोखिमों और चुनौतियों को भी याद दिलाता है। इस अवसर पर उन लोगों को भी श्रद्धांजलि दी जाती है जिन्होंने एवरेस्ट अभियान के दौरान अपनी जान गंवाई।

माउंट एवरेस्ट के नाम की कहानी

माउंट एवरेस्ट का नाम ब्रिटिश सर्वेक्षक जॉर्ज एवरेस्ट के नाम पर रखा गया था। वह 1830 से 1843 तक भारत के सर्वेयर जनरल रहे और हिमालय क्षेत्र के सर्वेक्षण कार्य में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एवरेस्ट फतह करने वाले पहले भारतीय

भारतीय सेना के कैप्टन अवतार सिंह चीमा वर्ष 1965 में माउंट एवरेस्ट पर पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बने थे। वहीं बछेंद्री पाल ने वर्ष 1984 में एवरेस्ट फतह कर पहली भारतीय महिला होने का गौरव हासिल किया।

स्वस्थ पाचन तंत्र बेहतर जीवन और मजबूत प्रतिरक्षा की आधारशिला

बदलती जीवनशैली, अनियमित खानपान और फास्ट फूड के बढ़ते चलन के बीच पाचन संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। लोगों को पाचन तंत्र के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हर वर्ष 29 मई को विश्व पाचन स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत विश्व पाचन संगठन (डब्ल्यूजीओ) और विश्व पाचन संगठन फाउंडेशन के सहयोग से की गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार स्वस्थ शरीर के लिए पाचन तंत्र का सही तरीके से काम करना बेहद जरूरी है। पाचन तंत्र भोजन को ऊर्जा में बदलने, पोषक तत्वों को शरीर तक पहुंचाने और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। माना जाता है कि शरीर की लगभग 70 प्रतिशत प्रतिरक्षा क्षमता पाचन तंत्र से जुड़ी होती है। खराब पाचन से कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं और इसलिए हमें अपने पाचन सिस्टम की देखभाल पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसलिए, विश्व पाचन स्वास्थ्य दिवस का मकसद हमें लोगों को डाइजेस्टिव सिस्टम के महत्व को समझाना और उसे सुधारने के लिए क्या करना चाहिए, इसके बारे में जागरूक करना है।

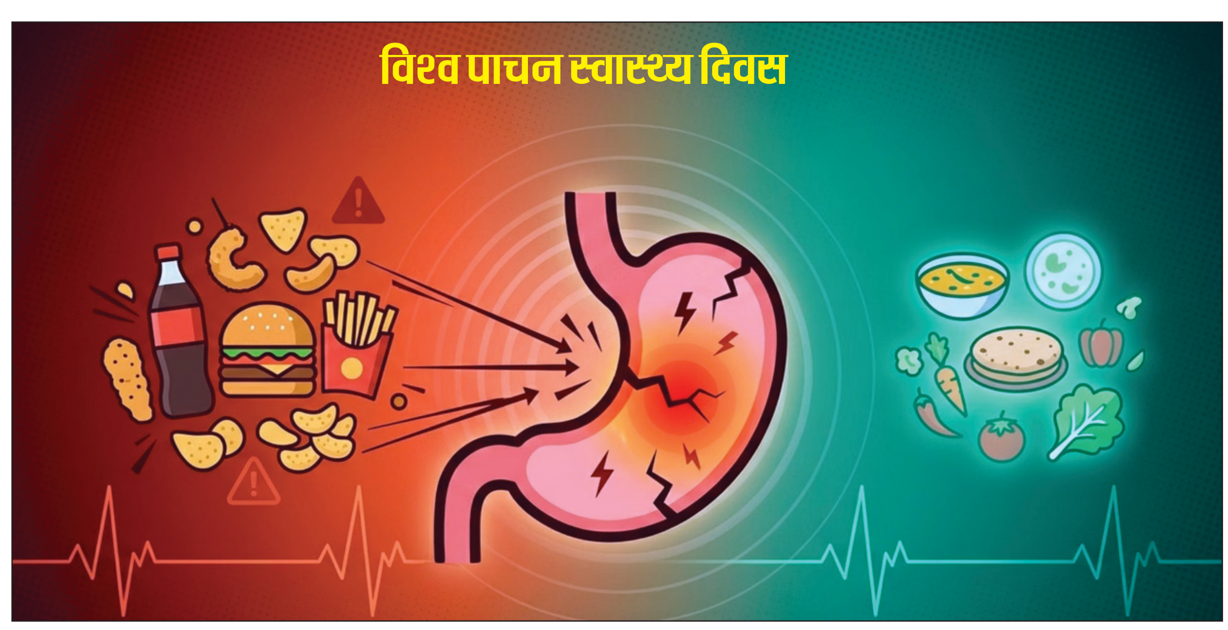

कैसे काम करता है पाचन तंत्र

पाचन स्वास्थ्य संबंधित है शरीर के खाद्य पदार्थों को पाचन और आवश्यक ऊर्जा में परिवर्तित करने के साथ। यह शरीर के खाद्य पदार्थों को अवशोषित करने, प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, विटामिन, मिनरल और अन्य पोषक तत्वों को अवशोषित करने के माध्यम से उपयोगी ऊर्जा का निर्माण करता है। एक स्वस्थ पाचन स्वास्थ्य में, खाद्य पदार्थों को उचित ढंग से पचाने के लिए पाचन तंत्र सही रूप से कार्य करता है। यह प्रक्रिया आहार के अलग-अलग तत्वों को विचलित करके खाद्य पदार्थों को उपयोगी पौष्टिकता में बदलती है। पाचन प्रक्रिया में भोजन को अवशोषित करने, पाचन ज्यूस बनाने, पचन प्रक्रिया के दौरान पोषक तत्वों को अवशोषित करने और उचित मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न करने जैसे कई चरण होते हैं। इस प्रक्रिया में, अवशोषित खाद्य पदार्थों से लिए गए पोषक तत्वों को शरीर के विभिन्न हिस्सों और ऊर्जा स्रोतों में वितरित किया जाता है। आहार नाल से पेट तक जाने वाला पाचन तंत्र हमारे शरीर की पाचन प्रक्रिया को संचालित करता है। जब हम खाना खाते हैं, तो यह प्रक्रिया मुख से शुरू होती है और गुदा द्वार तक पहुंचती है। खाद्य पदार्थ यकृत और अग्नाशय के साथ मिश्रित होकर पेट में पहुंचते हैं, जहां शरीर के विभिन्न रासायनिक पदार्थ इन्हें रस के रूप में उत्पन्न करते हैं। यह रस फिर शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। पाचन के दौरान, खाद्य पदार्थों से पोषक तत्वों को अवशोषित किया जाता है और अपशिष्ट तत्व मल के रूप में बाहर निकल जाते हैं।

स्वस्थ पाचन के लिए अपनाएं ये उपाय

स्वस्थ आहारः स्वस्थ पाचन के लिए स्वस्थ आहार बहुत महत्वपूर्ण है। आपको अपने भोजन में पौष्टिक तत्वों को शामिल करने की कोशिश करनी चाहिए। स्वस्थ आहार में फल, सब्जियां, अखरोट, दाल, हरे पत्ते वाले पौधे, अदरक, लहसुन, अजवाइन, जीरा, गुड़, योगर्ट, धनिया, अनार आदि शामिल करें। तत्वों में पोषण होता है और पाचन प्रक्रिया को स्वस्थ रखता है। जो भी खाएं खूब चबाकर खाएं। लगातार कब्ज की शिकायत हो तो त्रिफला सबसे कारगर होता है। त्रिफला लेते रहने से पाचन तंत्र में सुधार के साथ ही चेहरे की कांति भी बढ़ती है। **पैकेज्ड और प्रोसेस्ड भोजन से परहेजः** आपको अधिक संयंत्रित और प्रोसेस्ड भोजन से बचना चाहिए, जैसे कि चिप्स, नमकीन, स्नैक्स, सोडा, बिस्किट, और तली हुई चीजें। ये भोजन अपशिष्ट तेल, शक्कर, मसाले और केमिकल युक्त पदार्थों से भरे होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। **पर्याप्त पानी पीनाः** पानी पीना पाचन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपको दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। यह आपके शरीर को साफ और हाइड्रेटेड रखेगा और पाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से कार्यान्वित करेगा। **व्यायाम करेंः** नियमित शारीरिक गतिविधियां और व्यायाम पाचन को सुधारने में सहायक होते हैं। आपको रोजाना कम से कम 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए, जैसे कि योग, ध्यान, चलना, जॉगिंग या व्यायाम करना। यह आपके पाचन सिस्टम को सक्रिय रखेगा और उसे मजबूत बनाएगा। **स्ट्रेस को नियंत्रित करेंः** स्ट्रेस पाचन को प्रभावित कर सकता है और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। आपको ध्यान देने और अपने मन को शांत और स्थिर रखने के लिए मेडिटेशन, प्राणायाम, योग, यात्रा, या किसी भी रिक्रिएशनल गतिविधि को शामिल करना चाहिए। **नियमित चेकअपः** अपने पाचन स्वास्थ्य की निगरानी रखने के लिए नियमित चेकअप करवाना बहुत महत्वपूर्ण है। डॉक्टर से मार्गदर्शन लेना और समय-समय पर आवश्यक टेस्ट करवाना आपके स्वास्थ्य को सुरक्षित रखेगा और संभावित समस्याओं को पहले ही पहचानने में मदद करेगा। **अवसर पर जागरूकता फैलाएंः** विश्व पाचन स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, आप अपने परिवार, दोस्तों, और समाज के अन्य लोगों को पाचन स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक कर सकते हैं। आप उन्हें स्वस्थ भोजन और पाचन के बारे में संबंधित सलाह और टिप्स दे सकते हैं। इससे लोगों की जागरूकता बढ़ेगी और वे अपने पाचन स्वास्थ्य को सुधारने के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे। **जीवनशैली में बदलाव जरूरीः** विशेषज्ञों के अनुसार दिन में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार भोजन करना, रात में हल्का खाना खाना और भोजन के तुरंत बाद सोने से बचना पाचन के लिए बेहतर होता है। सुबह टहलना, योग और शारीरिक गतिविधियां भी पाचन तंत्र को सक्रिय बनाए रखने में मदद करती हैं। विश्व पाचन स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना है कि स्वस्थ पाचन तंत्र ही स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कुंजी है।

आईपीएल : सूर्यवंशी ने ऑरेंज कैप पर जमाया कब्जा, रनों की दौड़ में बने नंबर-1

राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज ने तोड़े कई रिकॉर्ड, जोफ्रा आर्चर भी पर्पल कैप की रेस में मजबूत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में बुधवार रात विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। उनकी तूफानी पारी ने राजस्थान को क्वालिफायर-2 में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

फोटोः हि.स.

वैभव सूर्यवंशी ने मैच में सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 12 छक्के लगाए और एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यवंशी सबसे तेज आईपीएल शतक के रिकॉर्ड के भी करीब पहुंच गए थे। यह रिकॉर्ड फिलहाल क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 30 गेंदों में शतक लगाया था। इस शानदार पारी के साथ सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 680 रन हो गए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन को पीछे छोड़ा, जिनके खाते में 652 रन हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रन के साथ छठे स्थान पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 21 गेंदों पर 50 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इस प्रदर्शन के बाद वह इस सीजन 508 रन के साथ तालिका में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी शानदार सीजन खत्म किया। क्लासेन 624 रन के साथ चौथे, ईशान किशन 602 रन के साथ पांचवें और अभिषेक शर्मा 563 रन के साथ आठवें स्थान पर रहे। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी पिछले दो मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर पर्पल कैप की दौड़ को रोमांचक बना दिया है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने 17 रन देकर 3 विकेट लिए थे, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 58 रन देकर 3 बड़े विकेट हासिल किए।

सूर्यवंशी के बेखौफ अंदाज पर बोले ध्रुव जुरेल, 'उसे गेंदबाज से कोई फर्क नहीं पड़ता'

न्यू-चंडीगढ़। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बुधवार रात इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के एलिमिनेटर में ऐसी तूफानी बल्लेबाजी की, जिसने सनराइजर्स हैदराबाद के पूरे अभियान को झकझोर कर रख दिया। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 29 गेंदों में 97 रन ठोककर मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। पावरप्ले में उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने हैदराबाद के गेंदबाजों को पूरी तरह बेबस कर दिया। इस शानदार पारी के बाद राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और टीम प्रबंधन भी सूर्यवंशी के आत्मविश्वास और मानसिकता की खुलकर तारीफ कर रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'वैभव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह ज्यादा योजना नहीं बनाता। वह खूब अभ्यास करता है और खुद पर पूरा भरोसा रखता है। उसके मन में कभी यह संदेह नहीं आता कि वह यह नहीं कर सकता।' जुरेल ने आगे बताया कि सूर्यवंशी का खेल बेहद सरल सोच पर आधारित है। उन्होंने कहा, 'जब हम अकादमी में जाते हैं तो हमें कहा जाता है कि गेंदबाज को मत देखो, सिर्फ गेंद देखो। लेकिन 17-18 साल की उम्र में हम अक्सर गेंदबाज का नाम देखकर दबाव महसूस करते हैं। वैभव ऐसा बिल्कुल नहीं करता। वह सिर्फ गेंद को देखता है।' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'उसका मंत्र साफ है-मुझे किसी भी गेंदबाज से कोई फर्क नहीं पड़ता।' सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच जेम्स फ्रैंकलिन ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने सूर्यवंशी को रोकने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सकी। फ्रैंकलिन ने कहा, 'उसके खिलाफ गेंदबाजी के लिए बहुत छोटा मार्जिन था। अच्छी पिच पर ऐसे बल्लेबाज को रोकना बेहद मुश्किल हो जाता है। हमने शुरूआत में फुल लेंथ और लेग स्टंप लाइन पर गेंदबाजी करने की कोशिश की, लेकिन उसने जल्दी ही उसे समझ लिया।'

मटेता के गोल से क्रिस्टल पैलेस ने जीता पहला यूरोपीय खिताब

❍ बना यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग चैंपियन

एजेंसी (हि.स.)
लीपज़िग

जीन-फिलिप मटेता के दूसरे हाफ में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत क्रिस्टल पैलेस ने बुधवार रात यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग फाइनल में रायो वायेकेनो को 1-0 से हराकर क्लब इतिहास का पहला यूरोपीय खिताब अपने नाम कर लिया। यह जीत टीम के मैनेजर ओलिवर ग्लासनर के लिए भी शानदार विदाई साबित हुई।

क्रिस्टल पैलेस को घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन के आधार पर शुरूआत में यूरोपा लीग में जगह मिली थी, लेकिन यूईएफए के मल्टी-क्लब ओनरशिप नियमों के चलते टीम को कॉन्फ्रेंस लीग में भेज दिया गया। हालांकि टीम ने इसे निराशा नहीं बनने दिया और पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाते हुए यूरोपीय मंच पर ऐतिहासिक सफलता हासिल की। मैच का निर्णायक क्षण 51वें मिनट में आया, जब एडम व्हार्टन के लंबी दूरी के शॉट को रायो गोलकीपर ऑगस्तो बताला पूरी तरह रोक नहीं सके। गेंद उनके हाथों से छिटककर मटेता के पास पहुंची और फ्रांसीसी स्ट्राइकर ने करीब से आसान गोल दागते हुए क्रिस्टल पैलेस को बढ़त दिला दी। इसके बाद रायो वायेकेनो ने बराबरी की कोशिशें तेज कीं। यरेमी पिनो का फ्री-किक दोनों पोस्ट से टकराया, जबकि जॉर्ज डी फ्रुटोस भी गोल के करीब पहुंचे, लेकिन क्रिस्टल पैलेस की मजबूत डिफेंस ने उन्हें सफलता नहीं मिलने दी। पहले हाफ में दोनों टीमों की ओर से एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं गया था। हालांकि दूसरे हाफ में पैलेस ने अधिक आक्रामक शुरुआत की और आखिरकार मैच का एकमात्र गोल करने में सफल रही। यह क्रिस्टल पैलेस के 120 साल के इतिहास का दूसरा बड़ा खिताब है और क्लब अब पिछले चार वर्षों में कॉन्फ्रेंस लीग जीतने वाली तीसरी इंग्लिश टीम बन गया है। मैनेजर ओलिवर ग्लासनर ने मैच के बाद कहा, 'यह बेहद कड़ा और प्रतिस्पर्धी मुकाबला था, जिसमें एक मौके ने अंतर पैदा किया। हमारे मिडफील्डरों एडम व्हार्टन और कामादा ने शानदार प्रदर्शन किया। व्हार्टन ने जिस मूव से गोल का मौका बनाया, वही मैच का निर्णायक पल साबित हुआ।' रायो वायेकेनो के लिए यह हार बेहद भावुक करने वाली रही। क्लब अपने इतिहास का पहला यूरोपीय खिताब जीतने की कोशिश कर रहा था।

फ्रेंच ओपन 2026: अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आसानी से पार किया दूसरा दौर, सीधे सेटों में दर्ज की जीत

एजेंसी (हि.स.)
पेरिस

दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को दूसरे दौर में चेक गणराज्य के टॉमस मचाक को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। रोलां गैरो के कोर्ट फिलिप शात्रिए पर खेले गए मुकाबले में ज्वेरेव ने मचाक को 6-4, 6-2, 6-2 से मात दी। अब तीसरे दौर में उनका सामना मेजबान फ्रांस के क्वेंटिन हालीस से होगा। मैच के बाद ज्वेरेव ने कहा, 'मैं अपने खेल से काफी संतुष्ट हूं। मेरा आत्मविश्वास अच्छा है और मैं आगे के मुकाबलों को लेकर उत्साहित हूं। उम्मीद है कि मैं फिर इसी कोर्ट पर खेलने लौटूंगा।'

विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर मौजूद टॉमस मचाक मैच के दौरान फिटनेस से जूझते नजर आए। दूसरे सेट में उन्हें बाएं पैर में परेशानी के कारण लंबा मेडिकल टाइम-आउट लेना पड़ा। ज्वेरेव ने कहा, 'डेढ़ सेट तक मुकाबले का स्तर काफी शानदार था, लेकिन चोट के कारण मैच की लय थोड़ी टूट गई। मैं खुश हूं कि मुकाबला तीन सेट में समाप्त कर सका।' विश्व नंबर-3 ज्वेरेव ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और केवल एक ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए महज 1 घंटा 48 मिनट में जीत दर्ज कर ली। गौरतलब है कि ज्वेरेव ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के सबसे करीब पेरिस में ही पहुंचे हैं। पिछले पांच वर्षों में वह लगातार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे हैं, जबकि 2024 के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्काराज के खिलाफ पांच सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

नॉर्वे चेस 2026 : प्रज्ञानानंद ने मैग्नस कार्लसन को हराया

❍ गुकेश ने फिरोजा से ड्रॉ खेला, दिव्या देशमुख ने आमार्गेडन में दर्ज की जीत

एजेंसी (हि.स.)
ओस्लो (नॉर्वे)

फोटोः हि.स.

नॉर्वे चेस 2026 के तीसरे दौर में बुधवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। ओस्लो में खेले गए मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने शानदार रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए क्लासिकल मुकाबले में जीत दर्ज की।

मैच के अधिकांश समय तक प्रज्ञानानंद मजबूत स्थिति में नजर आए। हालांकि समय के दबाव में कुछ समय के लिए मुकाबले का रुख कार्लसन की ओर जाता दिखा, लेकिन इसके तुरंत बाद नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी ने बड़ी गलती कर दी और उन्हें हार स्वीकार करनी पड़ी। विश्व चैंपियन डी. गुकेश और टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा के बीच क्लासिकल मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा और अंततः ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसके बाद खेले गए आमार्गेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और तालिका में अपनी बढ़त कायम रखी।

वहीं विंसेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच भी क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। बाद में आमार्गेडन गेम में वेस्ली सो ने जीत दर्ज की। तीसरे दौर के बाद अलीरेजा फिरोजा अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

नॉर्वे चेस विमेंस टूर्नामेंट में भी सभी क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे, जिसके बाद विजेता का फैसला आमार्गेडन मुकाबलों से हुआ। महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और झू जिनेर के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। एक समय झू जिनेर मजबूत स्थिति में थीं, लेकिन वह उसे जीत में नहीं बदल सकीं। बाद में आमार्गेडन में झू जिनेर ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। अन्ना मुजिचुक और भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद आमार्गेडन में अन्ना मुजिचुक ने जीत हासिल की। वहीं टूर्नामेंट लीडर बिबिसारा अस्साउबायेवा और भारत की दिव्या देशमुख के बीच भी क्लासिकल मुकाबला बराबरी पर छूटा। इसके बाद दिव्या देशमुख ने शानदार खेल दिखाते हुए आमार्गेडन मुकाबले में जीत दर्ज की।

तीसरे दौर के बाद बिबिसारा अस्साउबायेवा महिला वर्ग में शीर्ष पर बनी हुई हैं, हालांकि दिव्या देशमुख और झू जिनेर ने अंतर कम कर दिया है।

रविंद्र और ब्लंडेल के शतकों से न्यूजीलैंड मजबूत

एजेंसी (हि.स.)
बेलफास्ट

❍ आयरलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन पांच विकेट पर बनाए 361 रन

रचिन रविंद्र और टॉम ब्लंडेल के शानदार शतकों की बदौलत न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन मजबूत स्थिति हासिल कर ली। शुरूआती दो विकेट जल्दी गंवाने के बाद कीवी टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 361 रन बना लिए। रचिन रविंद्र ने 121 रन की शानदार पारी खेली। उन्हें स्पिनर हैरी टेक्टर ने आउट किया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल 142 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इससे पहले आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मेजबान टीम की शुरूआत शानदार रही और तेज गेंदबाज मार्क एडेयर ने कप्तान टॉम लैथम को दूसरी ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डेवोन कॉनवे भी केवल चार रन बनाकर आउट हो गए। दो शुरूआती झटकों के बाद रविंद्र और ब्लंडेल ने पारी संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 217 रन की अहम साझेदारी की, जिससे न्यूजीलैंड मैच में मजबूत स्थिति में पहुंच गया।

एशिया कप में दमदार शुरूआत के इरादे से उतरेंगी भारत की अंडर-18 हॉकी टीमें

❍ सरदार सिंह और रानी रामपाल के मार्गदर्शन में जापान में खेले जाएंगे मुकाबले

एजेंसी (हि.स.)
काकामिगाहारा (जापान)

भारत की अंडर-18 लड़के और लड़कियों की हॉकी टीमें शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया कप में सकारात्मक शुरूआत के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगी। दोनों टीमों को पूर्व भारतीय कप्तानों सरदार सिंह और रानी रामपाल का मार्गदर्शन मिल रहा है, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है।

लड़कों की टीम के कोच पूर्व कप्तान सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा हैं, जबकि लड़कियों की टीम की जिम्मेदारी पूर्व भारतीय महिला कप्तान रानी रामपाल संभाल रही हैं। दोनों टीमों ने टूर्नामेंट से पहले कई सप्ताह तक प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया और भोपाल में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ अभ्यास मैच भी खेले। फॉरवर्ड केतन कुशवाहा की कप्तानी वाली भारतीय लड़कों की टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला में एक जीत, एक हार और दो ड्रॉ दर्ज किए। टीम ने भोपाल स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में तैयारी की। भारत को लड़कों के वर्ग में पूल ए में मेजबान जापान, कोरिया, चीनी ताइपे और कजाखस्तान के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 29 मई को कजाखस्तान से खेलेगी। इसके बाद 31 मई को जापान, एक जून को कोरिया और तीन जून को चीनी ताइपे से भिड़ंत होगी। पूल बी में मलेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन की टीमें शामिल हैं। दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें पांच जून को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जबकि फाइनल मुकाबला छह जून को खेला जाएगा। टीम के कप्तान केतन कुशवाहा ने कहा कि टीम पूरी तरह आत्मविश्वास से भरी है और टूर्नामेंट के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैचों से टीम को अपनी कमजोरियों पर काम करने का मौका मिला। वहीं भारतीय अंडर-18 लड़कियों की टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला के अंतिम मुकाबले में जीत दर्ज कर मनोबल बढ़ाया है। लड़कियों के वर्ग में भारत को पूल ए में रखा गया है, जहां टीम 30 मई को मलेशिया, 31 मई को कोरिया और दो जून को सिंगापुर से खेलेगी। लड़कियों के वर्ग के पूल बी में चीन, जापान, चीनी ताइपे और बांग्लादेश की टीमें शामिल हैं।

बंगाल रणजी टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे लक्ष्मीरतन शुक्ला

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

❍ मनोज तिवारी को अंडर-19 टीम की जिम्मेदारी, रिद्धिमान साहा अंडर-23 टीम के कोच नियुक्त

बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर लक्ष्मीरतन शुक्ला को एक बार फिर रणजी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। महाराष्ट्र के पूर्व बल्लेबाज सुरेंद्र भावे आगामी 2026-27 सत्र में सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे।

कैब की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चयन प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और उत्कृष्ट मानकों के आधार पर की गई। चयन समिति में पूर्व अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अरुण लाल, देवांग गांधी और कल्याण चौधरी शामिल थे। गौरतलब है कि कैब ने 24 अप्रैल को विभिन्न कोचिंग पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे, जिसके बाद लक्ष्मीरतन शुक्ला के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि संघ ने उन पर भरोसा कायम रखा है। शुक्ला के मार्गदर्शन में बंगाल की रणजी टीम ने 2022-23 सत्र में फाइनल तक का सफर तय किया था। इसके अलावा टीम दो बार सेमीफाइनल में भी पहुंच चुकी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी को बंगाल की अंडर-19 टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। उनके साथ दत्तात्रेय मुखर्जी सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे। वहीं भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा को अंडर-23 टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। अनुस्तूप मजूमदार को अंडर-16 टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में कमजोरी का रुख लगातार जारी है। हालांकि चांदी के भाव में वीरवार को लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में वीरवार को शुरूआती कारोबार के दौरान ये चमकीली धातु वीरवार को 550 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में शुरूआती कारोबार के दौरान 800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,59,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना वीरवार को 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में वीरवार को 24 कैरेट सोना 1,58,430 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,58,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पेप्सिको के उत्पादों की नई पैकेजिंग पर दिखेगा 'नो आर्टिफिशियल फ्लेवर या कलर' लेबल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

❍ उपभोक्ताओं को बेहतर और पारदर्शी जानकारी देने की पहल

पेप्सिको ने अपने खाद्य उत्पादों की नई पैकेजिंग पर 'कोई कृत्रिम स्वाद या रंग नहीं' का लेबल प्रमुखता से प्रदर्शित करने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उत्पाद खरीदते समय अधिक स्पष्ट और पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराना है। पेप्सिको के पास लेज, कुरकुरे और डोरिटोस जैसे लोकप्रिय स्नैक ब्रांड हैं। कंपनी के अनुसार खाद्य उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को लेकर उपभोक्ताओं की जागरूकता लगातार बढ़ रही है, ऐसे में पैकेजिंग पर स्पष्ट जानकारी देना जरूरी हो गया है।

पेप्सिको इंडिया की मुख्य विपणन अधिकारी साक्षी वर्मा मेनन ने कहा कि कंपनी उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण के तहत विज्ञान और नवाचार आधारित जिम्मेदार विकल्पों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि नई पैकेजिंग से ग्राहकों के लिए उत्पादों में मौजूद सामग्री को समझना और उन पर भरोसा करना आसान होगा। उन्होंने कहा कि आज के दौर में केवल पारदर्शिता का दावा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना भी आवश्यक है। इससे उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत होता है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरूआत में पेप्सिको ने भारत में वर्ष 2030 तक 5,700 करोड़ रुपये तक निवेश करने की घोषणा की थी। कंपनी यह निवेश मुख्य रूप से अपने खाद्य कारोबार की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए करेगी।

यूनिटी कप 2026 | जमैका से हारा भारत

अब जिम्बाब्वे से होगा तीसरे स्थान का मुकाबला

❍ सेमीफाइनल में 0-2 से मिली हार, नौफाल पीएन और रिकी शाबोंग ने किया भारतीय टीम के लिए पदार्पण

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

फोटोः हि.स.

यूनिटी कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय फुटबॉल टीम को बुधवार की जमैका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। द वैली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में जमैका के ए कोर्टनी क्लार्क और काहीम डिक्सन ने गोल दागे।

इस जीत के साथ जमैका ने फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना नाइजीरिया से होगा। नाइजीरिया ने पहले सेमीफाइनल में जिम्बाब्वे को 2-0 से हराया था। वहीं भारतीय टीम अब 30 मई को तीसरे स्थान के मुकाबले में जिम्बाब्वे से भिड़ेगी। इस मैच में भारत के लिए कई खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। नौफाल पीएन और रिकी शाबोंग ने सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया, जबकि एडमंड लालरिंदिका को पहली बार शुरूआती एकादश में मौका मिला। भारत 2002 के बाद पहली बार ब्रिटिश धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहा था, लेकिन टीम मैच में शुरूआत से ही लय हासिल नहीं कर सकी। मैच के आठवें मिनट में जमैका ने तेज पलटवार किया। भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने पहले शानदार बचाव किया, लेकिन भारतीय डिफेंस गेंद को पूरी तरह क्लियर नहीं कर सका। कोर्टनी क्लार्क ने ढीली गेंद पर कब्जा जमाते हुए शानदार शॉट के जरिए गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया। फीफा रैंकिंग में 71वें स्थान पर मौजूद जमैका ने इसके बाद लगातार आक्रामक खेल जारी रखा। 17वें मिनट में काहीम डिक्सन के पास बढ़त दोगुनी करने का मौका था, लेकिन गुरप्रीत ने बेहतरीन बचाव कर भारत को मैच में बनाए रखा। पहले हाफ के अंतिम हिस्से में भारत ने कुछ बेहतर पासिंग दिखाई, लेकिन अंतिम तिहाई में टीम की कमी साफ नजर आई। रयान विलियम्स, लालियांजुआला छांगते और एडमंड लालरिंदिका प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हाफ टाइम के बाद भारतीय टीम ज्यादा आक्रामक नजर आई। 53वें मिनट में भारत को बराबरी का शानदार मौका मिला, जब जमैका के डिफेंस और गोलकीपर की गलती का फायदा उठाते हुए रोशन ने रहीम अली को पास दिया। हालांकि रहीम अली ऑफसाइड पाए गए और छांगते का गोल मान्य नहीं हुआ। इसके बाद भारत ने मैच में वापसी की कोशिश तेज कर दी। कोच खालिद जमील की टीम ने ऊंची लाइन पर खेलते हुए जमैका पर दबाव बनाया और कुछ समय के लिए मैच का नियंत्रण अपने हाथ में लिया।

जब भारत वापसी की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी 78वें मिनट में काहीम डिक्सन ने शानदार व्यक्तिगत कौशल का प्रदर्शन करते हुए मैच का दूसरा गोल दाग दिया। उन्होंने बॉक्स के बाहर से शानदार मूव बनाते हुए आकाश मिश्रा को छकाया और गेंद को गुरप्रीत सिंह संधू के पास से निकालकर गोल में पहुंचा दिया।

कैम्बे बेसिन ब्लॉक का संचालन हस्तांतरण अटका

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

गुजरात के कैम्बे बेसिन स्थित सीबी-ओएस-02 ब्लॉक का परिचालन नियंत्रण सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी ओएनजीसी को अब तक नहीं मिल पाया है। वेदांता द्वारा ब्लॉक की अनुबंध अवधि बढ़ाने से इनकार करने के सरकार के फैसले को अदालत में चुनौती दिए जाने के कारण हस्तांतरण प्रक्रिया फिलहाल अटकी हुई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 19 सितंबर 2025 को जारी निर्देश में इस ब्लॉक के उत्पादन साझेदारी अनुबंध (पीएससी) की अवधि बढ़ाने से इनकार कर दिया था। इस ब्लॉक में ओएनजीसी की 50 प्रतिशत, वेदांता की 40 प्रतिशत और इनवेनीर पेट्रोडाइन लिमिटेड की 10 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सरकार के फैसले के बाद ओएनजीसी को तत्काल प्रभाव से संचालन संभालने का निर्देश दिया गया था। कंपनी ने 20 सितंबर 2025 से गुजरात के सुवाली में अपना परिचालन दल भी तैनात कर दिया था। हालांकि ओएनजीसी का कहना है कि वेदांता ने अब तक ब्लॉक का संचालन हस्तांतरित नहीं किया है। ओएनजीसी ने अपने वित्त वर्ष 2025-26 के नतीजों में कहा कि भारत सरकार के निदेशों के अनुसार वेदांता से तत्काल संचालन हस्तांतरण का अनुरोध किया गया था, लेकिन कंपनी ने अब तक जिम्मेदारी नहीं सौंपी है।

दिल्ली हाईकोर्ट में मामला लंबित

ओएनजीसी के अनुसार, वेदांता ने 22 सितंबर 2025 को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। अदालत ने मामले में सभी पक्षों को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए यथास्थिति बनाए रखने को कहा था। कंपनी ने बताया कि 18 मई 2026 को सुनवाई पूरी हो चुकी है और अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अंतिम निर्णय आने तक वेदांता ही ब्लॉक का परिचालन जारी रखेगी। वेदांता के प्रवक्ता ने भी पुष्टि की कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है, इसलिए इस पर विस्तृत टिप्पणी नहीं की जा सकती।

पंचकूला नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदों शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्यअतिथि के रूप में हुए शामिल

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंचकूला नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आज पंचकूला के सैक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष आडिटोरियम में आयोजित किया गया। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्यअतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर अंबाला मंडलायुक्त श्री संजीव वर्मा ने नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदों को शपथ दिलवाई। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर श्री शाम लाल बंसल और सभी पाषर्दो को विजय और नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही पंचकूला की जागरूक जनता का भी धन्यवाद किया जिन्होने विकास और जनसेवा के लिए प्रतिबद्व नेतृत्व को चुना। उन्होने नवनिर्वाचित मेयर और पार्षदों से कहा कि शहर के विकास का रोडमैप पूरी तरह जनकेंद्रित होना चाहिए। उन्होने पाषर्दो से संवाद करते हुए कहा कि जनता ने आपको पांच वर्षो के लिए सेवा का अवसर दिया है। जनता के बीच रहें, उनकी समस्याओं को सुनें और केवल विकास को अपना लक्ष्य बनाएं। पंचकूला के विकास के लिए धन की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। उन्होने कहा कि हमारा लक्ष्य पंचकूला को स्वच्छ और हरित शहर बनाना है। इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन-2.0 को हमें पंचकूला की हर गली और हर सेक्टर तक पहुंचाना है। हमें ग्रीन पंचकूला के संकल्प को और मजबूत करना है। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल, कालका की विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा, राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक , जिला अध्यक्ष श्री अजय मित्तल, कालका नगर परिषद के चेयरमैन कृष्ण लाल लांबा, हरियाणा शिवालिक विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश देवीनगर, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक श्री मुकुल कुमार, उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता, नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव श्री तरुण भंडारी, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण अत्रे, साध्वी अमृता दीदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

त्रिपुरा के राज्यपाल ने युवा संगम के छठे चरण के तहत छात्र प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की

चंडीगढ़। त्रिपुरा के राज्यपाल श्री इंद्र सेना रेड्डी नल्लू ने 26 मई 2026 को अगरतला स्थित लोक भवन की यात्रा के दौरान युवा संगम के छठे चरण में भाग लेने वाले हरियाणा के छात्र प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की। कुरुक्षेत्र राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के नेतृत्व में हरियाणा से आए छात्र प्रतिनिधिमंडल का अगरतला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पहुंचने पर हार्दिक स्वागत किया गया। राज्यपाल से बातचीत के दौरान प्रतिभागियों को राज्य के प्रशासनिक ढांचे, शासन संबंधी पहल और विकास प्राथमिकताओं के बारे में बहुमूल्य जानकारियां प्राप्त हुईं। इस यात्रा से त्रिपुरा की सांस्कृतिक विविधता, संस्थागत व्यवस्था और राष्ट्रीय एकता की भावना के बारे में उनकी समझ और भी समृद्ध हुई। प्रायोगिक शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत, छात्र प्रतिनिधिमंडल ने त्रिपुरा के कई प्रमुख सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्रशासनिक स्थलों का दौरा किया, जिससे उन्हें राज्य की समृद्ध विरासत, जीवंत परंपराओं और विकास के परिदृश्य का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। प्रतिभागियों ने प्रतिष्ठित मंदिरों का भी दर्शन किया, जहाँ उन्होंने त्रिपुरा की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का अनुभव किया। शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शुरू किया गया युवा संगम चरण श्क् गहन शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक सदभाव और भावनात्मक एकीकरण को मजबूत करने का प्रयास करता है। यह पहल 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों को एक साथ लाती है, जिससे भारत की विविधता, नवाचार ईकोसिस्टम और राष्ट्र निर्माण के साझा लक्ष्यों की गहरी समझ विकसित करने के मार्ग प्रशस्त होते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

ट्राइडेंट लिमिटेड ने टेक्सप्रोसिल एक्सपोर्ट अवॉर्ड्स में ग्लोबल एक्सपोर्ट्स के लिए गोल्ड ट्रॉफी जीती

चंडीगढ़। टेक्सटाइल निर्माण में अग्रणी, ट्राइडेंट लिमिटेड को हाल ही में मुंबई में आयोजित कॉटन टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिलः टेक्सप्रोसिल, एक्सपोर्ट अवाड्र्स 2023-24 में ग्लोबल एक्सपोट्र्स श्रेणी में गोल्ड ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत के टेक्सटाइल निर्यात क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कार्यकर्म की मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पद्म श्री राजिंदर गुप्ता, चेयरमैन एमेरिटस ट्राइडेंट ग्रुप ने कहा कि ,हम साल 2023-24 के लिए टेक्सप्रोसिल एक्सपोर्ट अवाड्र्स में ग्लोबल कॉटन टेक्सटाइल एक्सपोर्ट के लिए गोल्ड ट्रॉफी पाकर बहुत खुश हैं। यह भारत की वैश्विक टेक्सटाइल उपस्थिति को मजबूत करने में कंपनी के योगदान को दशार्ता है। साथ ही यह पहचान क्वालिटी, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है। उन्होंने कहा कि भारत का टेक्सटाइल उद्योग वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है और विकसित भारत के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

डॉ. अर्चना गुप्ता के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर अजय मित्तल ने दी बधाई

पंचकूला। भाजपा पंचकूला के जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने डॉ. अर्चना गुप्ता को हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अजय मित्तल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता भाजपा की वरिष्ठ एवं समर्पित महिला कार्यकर्ता हैं। उन्होंने जिला एवं प्रदेश स्तर पर विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता एक कुशल संगठनकर्ता होने के साथ-साथ अपने विनम्र स्वभाव, सकारात्मक सोच एवं कार्यकताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार के कारण संगठन में बेहद लोकप्रिय हैं। अजय मित्तल ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में हरियाणा भाजपा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश संगठन की कमान एक महिला कार्यकर्ता को सौंपना समस्त हरियाणा वासियों, विशेषकर महिलाओं के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

हरियाणा में पेट्रोल की बिक्री में 22%, हाई स्पीड डीजल बिक्री की में 18% की वृद्धि

चंडीगढ़। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) - इंडियनऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल - देश भर में परिचालन और लॉजिस्टिक्स समन्वय जारी रखे हुए हैं ताकि कई क्षेत्रों में ईंधन की मांग में अचानक और तीव्र वृद्धि के बावजूद पेट्रोल (एमएस), डीजल (एचएसडी) और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान हरियाणा में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने 1झ26 मई 2026 की अवधि में ईंधन बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। हरियाणा में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में पेट्रोल (टर) की बिक्री में 22% तथा हाई स्पीड डीजल (लरउ) की बिक्री में 18% की वृद्धि हुई है। हाल के दिनों में, ओएमसी ने कई राज्यों में मौसमी कृषि गतिविधियों और कटाई के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की उल्लेखनीय रूप से अधिक खपत देखी है। अन्य आपूर्तिकर्ताओं की तुलना में कम कीमत के कारण खुदरा ग्राहकों के सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा आउटलेट्स की ओर रुख करने और संस्थागत और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के खुदरा ईंधन आउटलेट्स की ओर स्पष्ट रुझान के कारण भी अतिरिक्त मांग का दबाव उत्पन्न हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएमसी अपने टर्मिनलों, डिपो, पाइपलाइनों, एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों और खुदरा आउटलेट्स के व्यापक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए हैं। आपूर्ति दल, परिवहन नेटवर्क, टर्मिनल संचालन और चुनिंदा खुदरा आउटलेट्स बाजारों में निर्बाध उत्पाद आवागमन और समय पर पुनःपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 24/7 कार्यरत हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां निर्बाध ईंधन आपूर्ति के लिए राज्य प्रशासन के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए हुए हैं।

ECLGS 5.0 - एमएसएमई को वित्तीय सहारा, आर्थिक विकास को नया आधार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केन्द्रीय मंत्रिमंडल भारत सरकार द्वारा एमएसएमई इकाइयों एवं विमानन क्षेत्र को राहत प्रदान करने हेतु आपातकालीन ऋण गारंटी योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। यह योजना वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर एटीएफ कीमतों में वृद्धि, एयरस्पेस प्रतिबंधों तथा परिचालन संबंधी चुनौतियों के कारण उत्पन्न वित्तीय दबाव को कम करने के उद्देश्य से लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत एमएसएमई इकाइयों हेतु 100 प्रतिशत तक तथा गैर-एमएसएमई एवं एयरलाइन क्षेत्र हेतु 90 प्रतिशत तक क्रेडिट गारंटी कवर राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड द्वारा सदस्य ऋणदाता संस्थानों को प्रदान किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में टरट्ए इकाइयों द्वारा उपयोग किए गए अधिकतम कार्यशील पूंजी के 20 प्रतिशत तक अधिकतम ₹100 करोड़ अतिरिक्त ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा। योजना के अंतर्गत स्वीकृत ऋणों पर गारंटी कवर ऋण अवधि के साथ सह-समाप्त रहेगा। यह योजना NCGTC द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए जाने की तिथि से 31 मार्च 2027 तक या कुल 2.55 लाख करोड़ की गारंटी जारी होने तक (इनमें से जो भी पहले हो) स्वीकृत ऋणों पर लागू होगी। ECLGS 5.0 योजना एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगी, क्योंकि इसके अंतर्गत पात्र एमएसएमई इकाइयों को बिना अतिरिक्त गारंटी शुल्क के सरल एवं त्वरित ऋण सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के माध्यम से कार्यशील पूंजी की उपलब्धता बढ़ने से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को वर्तमान आर्थिक चुनौतियों, बढ़ती लागत एवं बाजार संबंधी अनिश्चितताओं से उबरने में सहायता मिलेगी। साथ ही, यह योजना उत्पादन, रोजगार सृजन एवं व्यावसायिक गतिविधियों की निरंतरता बनाए रखने में सहायक होगी तथा प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगी। श्रीमती निधि भार्गव, महाप्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक एवं संयोजक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, हरियाणा द्वारा अवगत कराया गया कि अग्रणी जिला बैंक कार्यालय, करनाल द्वारा समन्वय से ECLGS 5.0 योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा

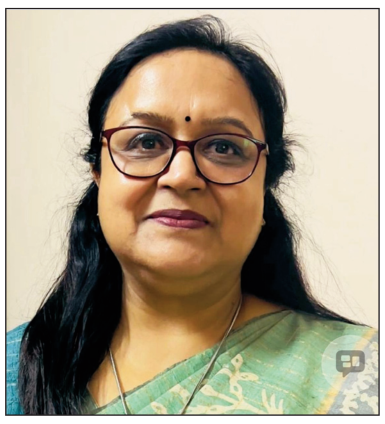

हितधारकों में जागरूकता बढ़ाने हेतु दिनांक 01.06..2026 को ,मैन रोड, सेक्टर-5,करनाल में एक Outreach Progrmme आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि यह योजना प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों को अल्पकालिक तरलता संबंधी चुनौतियों से उबरने, रोजगार संरक्षण सुनिश्चित करने, औद्योगिक गतिविधियों को निरंतर बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य बैंकों, एमएसएमई इकाइयों तथा अन्य संबंधित हितधारकों को ECLGS 5.0 योजना की रूपरेखा, पात्रता, लाभ एवं कार्यान्वयन प्रक्रिया के संबंध में जागरूक करना है, जिससे अधिकाधिक पात्र इकाइयां योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। योजना के संबंध में अधिक जानकारी एवं लाभ प्राप्त करने हेतु इच्छुक पात्र इकाइयां अनिवार्य रूप से आवेदन करते हुए आवेदन पत्र में आवश्यक विवरण स्व-घोषणा के माध्यम से उपलब्ध कराएं तथा अपनी बैंक शाखा से संपर्क करें।

ईद पर एस ए खान के घर पहुंचे नगर सांसद मनीष तिवारी और एच एस लक्की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

ईद उल अजुहा का त्यौहार मुस्लिम समुदाय में आज बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक दूसरे को गले लग ईद की मुबारकबाद दी। वहीं इस अवसर पर चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी चंडीगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एस ए खान के गृह निवास पहुंचे और परिवार और मुस्लिम भाईचारे को ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर चंडीगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लक्की भी उपस्थित थे। सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि ईद उल अजुहा इस्लाम धर्म में यह दूसरा सबसे बड़ा और प्रमुख त्योहार है। मुस्लिम समुदाय की परंपरा के अनुसार यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम द्वारा अल्लाह के प्रति अपनी अटूट आस्था और आज्ञाकारिता में अपने बेटे की कुर्बानी देने की तत्परता की याद में मनाया जाता है। इस दिन मुसलमान अल्लाह की राह में जानवरों की कुर्बानी देते हैं। हरमोहिंदर सिंह लक्की ने कहा कि ईद-उल-अजहा (जिसे बकरीद भी कहते हैं) इस्लाम धर्म का एक प्रमुख और पवित्र त्योहार है, जिसे 'कुर्बानी का पर्व' माना जाता है। यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम की अल्लाह के प्रति अटूट आस्था, भक्ति और उनकी उस कुर्बानी की याद में मनाया जाता है, जिसमें वे अपने बेटे इस्माइल को कुर्बान करने के लिए तैयार हो गए थे।

स्वादों और धुएं के पीछे: वेपिंग की छिपी हुई सच्चाई पर प्रो. (डॉ.) सोनू गोयल के साथ बातचीत

सिटी दर्पण डेस्क

एक छोटा सा डिवाइस। हजारों स्वाद। लाखों युवा यूजर्स। जो चीज धूम्रपान के एक आधुनिक विकल्प के तौर पर शुरू हुई थी, वह तेजी से दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बढ़ती हुई चिंता बन गई है। एक खास बातचीत में, डॉ. सोनू गोयल, डायरेक्टर और प्रेसिडेंट, रिसोर्स सेंटर फॉर टोबैको कंट्रोल लीड, कोलैबोरेटिव सेंटर फॉर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन टोबैको कंट्रोल; संयोजक, साइंटिफिक सपोर्ट ग्रुप, MoHFW, GOI; प्रोग्राम डायरेक्टर, इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम; प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, PGIMER चंडीगढ़, बताते हैं कि वेपिंग अब सिर्फ.एक ट्रेंड क्यों नहीं रह गया है, बल्कि एक ऐसी चुनौती बन गया है जिसे परिवार, स्कूल और सरकारें अब नजरअंदाज नहीं कर सकतीं - खासकर विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के मौके पर, जिसका थीम है आकर्षण का नकाब हटाना - निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला करना।

वेपिंग के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवाल: सुरक्षित वेपिंग का भ्रम

1. वेप्स असल में क्या होते हैं?

जवाबः वेप्स, जिन्हें इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट या ई-सिगरेट भी कहा जाता है, बैटरी से चलने वाले डिवाइस होते हैं जो एक लिक्विड को गर्म करके एयरोसोल में बदल देते हैं, जिसे यूजर्स सांस के साथ अंदर लेते हैं। इन लिक्विड्स में आमतौर पर निकोटीन, स्वाद देने वाले केमिकल्स, प्रोपलीन ग्लाइकोल और ग्लिसरीन होते हैं। हालांकि ये पारंपरिक सिगरेट की तरह तंबाकू नहीं जलाते, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि ये फिर भी यूजर्स को नशे वाली और नुकसानदायक चीजों के संपर्क में लाते हैं।

2. वेप्स किशोरों के बीच इतनी तेजी से लोकप्रिय क्यों हो रहे हैं?

विश्व स्वास्थ्य संगठन और व.र. सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, वेपिंग किशोरों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है, जिसकी वजह कैंडी, पुदीना और फलों जैसे आकर्षक स्वाद, साथ ही रंगीन पैकेजिंग, शानदार डिजाइन, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसका बड़े पैमाने पर प्रचार है। इन प्रोडक्ट्स को अक्सर ट्रेंडी, आधुनिक और सिगरेट की तुलना में कम नुकसानदायक बताया जाता है, जिससे युवाओं में जिज्ञासा और प्रयोग करने की इच्छा बढ़ जाती है।

3. क्या वेपिंग सच में सिर्फ. नुकसानरहित पानी की भाप है?

नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और U.S. CDC के अनुसार, वेपिंग सिर्फ.पानी की भाप नहीं है। ई-सिगरेट से एक एयरोसोल निकलता है जिसमें निकोटीन, जहरीले रसायन, बहुत बारीक कण, भारी धातुएँ और कैंसर पैदा करने वाले पदार्थ हो सकते हैं, जिन्हें साँस के साथ फेफड़ों की गहराई तक खींचा जाता है। शोध से पता चला है कि वेप एयरोसोल में मौजूद कुछ जहरीली धातुएँ, पारंपरिक सिगरेट के धुएँ की तुलना में कहीं ज्यादा मात्रा में हो सकती हैं। एक अध्ययन में कुछ ई-सिगरेट एयरोसोल में सीसे की मात्रा लगभग 407 μg/L पाई गई, जबकि सिगरेट के धुएँ में यह मात्रा 0.126-1.252 μg/L थी; इसका मतलब है कि कुछ वेप एयरोसोल में सीसे का स्तर, मानक स्थितियों में जाँचे गए सिगरेट के धुएँ के नमूनों की तुलना में 300 गुना तक ज्यादा पाया गया। इसी अध्ययन में वेप एयरोसोल में जस्ते की मात्रा भी लगभग 36 μg/L पाई गई, जबकि सिगरेट के धुएँ में यह मात्रा 1.252 μg/L थी, जिससे कुछ वेप एयरोसोल नमूनों में जस्ते का स्तर लगभग 30 गुना ज्यादा हो गया। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने वेप एयरोसोल में फॉर्मेल्डिहाइड, एसीटैल्डिहाइड, एक्रोलीन, निकिल और क्रोमियम जैसे हानिकारक रसायन भी पाए हैं। तंबाकू उद्योग इस बात पर जोर देता है कि हालाँकि वेपिंग को अक्सर धूम्रपान के एक सुरक्षित विकल्प के तौर पर प्रचारित किया जाता है, लेकिन यह बिल्कुल भी हानिरहित नहीं है, खासकर किशोरों और धूम्रपान न करने वालों के लिए।

4.क्या वेप्स की लत लग सकती है?

हाँ। WHO और U.S. CDC के अनुसार, ज्यादातर वेप्स में निकोटीन होता है, जिसकी बहुत ज्यादा लत लग सकती है और यह तेजी से निर्भरता पैदा कर सकता है, खासकर किशोरों में। किशोरावस्था के दौरान निकोटीन के संपर्क में आने से दिमाग के विकास, ध्यान, सीखने की क्षमता, मूड और आवेग नियंत्रण पर असर पड़ सकता है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि निकोटीन सबसे ज्यादा लत लगाने वाले पदार्थों में से एक है; इसकी लत लगने की प्रक्रिया वैसी ही होती है जैसी हेरोइन और कोकीन जैसी नशीली दवाओं के मामले में देखी जाती है। अध्ययनों से पता चला है कि निकोटीन की निर्भरता तेजी से विकसित हो सकती है, जिससे कई उपयोगकताओं, खासकर युवाओं के लिए इसे छोड़ना बेहद मुश्किल हो जाता है।

5. वेपिंग से जुड़ी कौन-सी स्वास्थ्य समस्याएं हैं?

मेरे और मेरी टीम द्वारा किया गया एक बड़ा 'अम्ब्रेला रिव्यू' (व्यापक समीक्षा), जो 2025 में BMJ में प्रकाशित हुआ और जिसमें 69 वैज्ञानिक समीक्षाओं का विश्लेषण किया गया, में पाया गया कि वेपिंग का संबंध फेफड़ों, हृदय और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से है। हमारे अध्ययन में पाया गया कि वेपिंग करने वाले लोगों में अस्थमा का जोखिम 30% ज्यादा था, COPD और सांस से जुड़े लक्षणों का जोखिम 49% ज्यादा था, और वेपिंग न करने वालों की तुलना में मौजूदा वेप उपयोगकताओं में स्ट्रोक का जोखिम 52% तक ज्यादा था। हमने उन किशोरों में भी बढ़े हुए रक्तचाप, तेज हृदय गति, फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी, और अवसाद तथा आत्महत्या के विचारों की उच्च दर के प्रमाण पाए जो ई-सिगरेट का उपयोग करते हैं।

6. EVALI क्या है, और यह विश्व स्तर पर एक बड़ी चिंता का विषय क्यों बन गया?

EVALI का पूरा अर्थ ई-सिगरेट या वेपिंग उत्पाद के उपयोग से जुड़ी फेफड़ों की चोट है। यह एक बड़ी वैश्विक जन स्वास्थ्य चिंता तब बन गया जब हजारों

लोगों, विशेष रूप से युवा वयस्कों में, वेपिंग से जुड़ी फेफड़ों की गंभीर क्षति देखी गई। इसके लक्षणों में खांसी, सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, बुखार, मतली और कुछ मामलों में सांस लेने में विफलता शामिल थी, जिसके लिए गहन चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता पड़ी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि वेप तरल पदार्थों और एयरोसोल में मौजूद कुछ रसायनों, जिनमें कुछ उत्पादों में पाया जाने वाला 'विटामिन ई एसीटेट' भी शामिल है, ने इन चोटों में एक बड़ी भूमिका निभाई। हमारे 2025 के BMJ डस्रील्ल अम्ब्रेला रिव्यू ने ऐसे प्रमाणों को उजागर किया जो वेपिंग को सांस की नली में सूजन और फेफड़ों की गंभीर स्थितियों, जिसमें EVALI भी शामिल है, से जोड़ते हैं। इस रिव्यू में यह भी बताया गया कि पिछले अध्ययनों में EVALI के 2,800 से ज्यादा मामले और 68 मौतें दर्ज की गई थीं।

7. पॉपकॉर्न लंग क्या है, और इसका वेपिंग से क्या संबंध है?

पॉपकॉर्न लंग ब्रोंकियोलाइटिस ऑब्लिटरन्स का आम नाम है। यह फेफड़ों की एक दुर्लभ और गंभीर बीमारी है जो फेफड़ों के अंदर की छोटी हवा की नलियों को नुकसान पहुँचाती है, जिससे खांसी, घरघराहट, सीने में दर्द और सांस लेने में दिक्कत होती है। इस बीमारी का संबंध डायएसिटाइल के संपर्क में आने से जोड़ा गया है। डायएसिटाइल एक ऐसा केमिकल है जिसका इस्तेमाल कुछ फ्लेवर्ड वेप लिक्विड में मक्खन जैसा या मीठा स्वाद लाने के लिए किया जाता है।

8. क्या फ्लेवर्ड वेप ज्यादा सुरक्षित होते हैं, क्योंकि उनका स्वाद मीठा या फलों जैसा होता है?

नहीं। WHO और U.S. CDC चेतावनी देते हैं कि फ्लेवर्ड वेप सुरक्षित नहीं होते; असल में, वे ज्यादा नुकसानदायक होते हैं, क्योंकि लोग उनके स्वाद की वजह से ज्यादा तेजी से वेप करते हैं। WHO के अनुसार, बच्चों और किशोरों के बीच वेपिंग की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे फ्लेवर सबसे बड़े कारणों में से एक हैं। शोधकर्ता चेतावनी देते हैं कि दुनिया भर में 16,000 से ज्यादा फ्लेवर उपलब्ध हैं–जिनमें आम, बबल गम, कॉटन कैंडी, पुदीना, कोला और डेजर्ट से प्रेरित विकल्प शामिल हैं–और वेपिंग प्रोडक्ट्स को अक्सर इस तरह से बनाया जाता है कि वे निकोटीन की कड़वाहट को छिपा सकें और पहली बार इस्तेमाल करने वालों को इसे आजमाने के लिए प्रोत्साहित कर सकें। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ तर्क देते हैं कि ये मीठे और आकर्षक फ्लेवर खतरे की आशंका को कम कर सकते हैं और वेपिंग को नुकसानरहित दिखा सकते हैं, खासकर किशोरों के बीच। हमारी 2025 की इटख डस्रील्ल अंब्रेला समीक्षा में भी वेपिंग और सांस की नली में सूजन, अस्थमा, COPD, दिल पर तनाव और वेप इस्तेमाल करने वालों में फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी के बीच संबंध पाए गए।

9. क्या वेपिंग मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है?

हाँ। बढ़ते सबूत बताते हैं कि वेपिंग मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है, खासकर किशोरों और युवा वयस्कों में। WHO और U.S. CDC चेतावनी देते हैं कि वेप्स में मौजूद निकोटीन दिमाग के विकास, मूड, ध्यान, सीखने की क्षमता और आवेग पर नियंत्रण को प्रभावित कर सकता है। हमारी 2025 की BMJ Opef अंब्रेला समीक्षा में पाया गया कि जो किशोर वेपिंग करते हैं, उनमें डिप्रेशन होने की संभावना उन लोगों की तुलना में लगभग 37% ज्यादा होती है जो वेपिंग नहीं करते; साथ ही, उनमें आत्महत्या के विचार और व्यवहार की संभावना लगभग 23% ज्यादा होती है। इस समीक्षा में युवाओं में वेपिंग, एंग्जायटी के लक्षण, भावनात्मक परेशानी और नींद की समस्याओं के बीच के संबंधों पर भी रोशनी डाली गई।

10. क्या वेपिंग किशोरों को बाद में सिगरेट पीने की ओर ले जा सकती है?

हाँ। कई अध्ययन और वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियां–जिनमें WHO और CDC शामिल हैं–चेतावनी देती हैं कि वेपिंग पारंपरिक सिगरेट पीने की शुरूआत का एक जरिया बन सकती है, खासकर किशोरों और युवा वयस्कों में। हमारी 2025 की BMJ Opef अंब्रेला समीक्षा में बताए गए सबूतों से पता चला कि जो युवा सिगरेट नहीं पीते लेकिन ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हैं, उनमें बाद में पारंपरिक सिगरेट पीना शुरू करने की संभावना उन लोगों की तुलना में लगभग 3 गुना ज्यादा होती है जो ई-सिगरेट का इस्तेमाल नहीं करते। विशेषज्ञों को इस बात की चिंता है कि वेपिंग के जरिए निकोटीन की जल्दी लत लग जाने से तंबाकू और निकोटीन वाले दूसरे उत्पादों पर लंबे समय तक निर्भरता बढ़ सकती है।

11. माता-पिता और शिक्षक यह कैसे पता लगा सकते हैं कि किसी बच्चे ने वेपिंग शुरू कर दी है?

पारंपरिक सिगरेट के उलट, वेपिंग के कई आधुनिक उपकरण जान-बूझकर इस तरह से डिजाइन किए जाते हैं कि वे रोजमर्रा की ज़िंदगी में आसानी से घुल-मिल जाएं। वेपिंग के आधुनिक उपकरण अक्सर छोटे, आकर्षक और छिपाने में आसान होते हैं, जिससे माता-पिता और शिक्षकों के लिए उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। कुछ उपकरण वरइ फ्लैश ड्राइव, पेन, हाइलाइटर, स्मार्टवॉच या कॉस्मेटिक उत्पादों जैसे दिखते हैं; वहीं, कई उपकरण पारंपरिक सिगरेट की तुलना में कम दिखाई देने वाला एरोसोल (धुआँ) और कम गंध पैदा करते हैं। सबसे पहले, माता-पिता और शिक्षकों को किसी भी ऐसे नए, अनजान या असामान्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पर ध्यान देना चाहिए जिसका इस्तेमाल बच्चे ने हाल ही में शुरू किया हो। दूसरे, माता-पिता और शिक्षकों को शुरूआती और लगातार दिखने वाले चेतावनी भरे लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए, जैसे कि कपड़ों से फलों जैसी महक आना, खाँसी, गले में जलन, मुँह सूखना, ज्यादा प्यास लगना, असामान्य रूप से बातें छिपाना, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द, ध्यान लगाने में कमी, मूड में बदलाव और व्यवहार में बदलाव। कुछ किशोरों में निकोटीन छोड़ने पर होने वाले लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं, जिनमें एंग्जायटी, बेचैनी और ध्यान लगाने में कठिनाई शामिल है।

12. क्या वेपिंग से निकलने वाला 'सेकंड-हैंड' एरोसोल (धुआँ) आस-पास मौजूद दूसरे लोगों पर असर डाल सकता है?

हाँ। WHO और U.S. CDC ने चेतावनी दी है कि सेकंड-हैंड वेप एयरोसोल हानिरहित नहीं है और यह आस-पास मौजूद लोगों को निकोटीन, बहुत बारीक कणों, भारी धातुओं, वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों और अन्य जहरीले रसायनों के संपर्क में ला सकता है, जिससे उनके फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। हानिरहित पानी की भाप के विपरीत, वेप एयरोसोल घर के अंदर की हवा में बना रह सकता है और इसे बच्चे, गर्भवती महिलाएँ और आस-पास मौजूद वे लोग भी साँस के साथ अंदर ले सकते हैं जो वेप का इस्तेमाल नहीं करते।

13. क्या निकोटीन-मुक्त वेप्स पूरी तरह से सुरक्षित हैं?

नहीं। WHO और U.S. CDC सहित स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि निकोटीन-मुक्त वेप्स पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हैं। निकोटीन के बिना भी, वेप एयरोसोल में अभी भी हानिकारक रसायन, बहुत छोटे कण, भारी धातुएँ, फ्लेवरिंग एजेंट और जहरीले पदार्थ हो सकते हैं, जो फेफड़ों में जलन पैदा कर सकते हैं और उन्हें नुकसान पहुँचा सकते हैं। कुछ फ्लेवरिंग रसायनों, जैसे कि डायएसिटाइल, का संबंध फेफड़ों की गंभीर बीमारियों से जोड़ा गया है। शोधकर्ता यह भी चेतावनी देते हैं कि निकोटीन-मुक्त लेबल वाले कई उत्पादों में अभी भी निकोटीन की थोड़ी मात्रा हो सकती है, और वेपिंग से ही उपयोगकताओं को सांस की नली में सूजन और अन्य स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

14. क्या ई-सिगरेट/वेप्स वास्तव में लोगों को धूम्रपान छोड़ने में मदद कर सकते हैं?

तंबाकू उद्योग अक्सर ई-सिगरेट को धूम्रपान छोड़ने में मदद करने वाले साधन के रूप में प्रचारित करता है। हालाँकि, इन्हें फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा धूम्रपान छोड़ने के उपकरण के रूप में आधिकारिक तौर पर मंजूरी नहीं मिली है। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि कई लोग जो धूम्रपान छोड़ने के लिए ई-सिगरेट का उपयोग शुरू करते हैं, वे सिगरेट और वेप्स दोनों का एक साथ उपयोग करना जारी रख सकते हैं (दोहरा उपयोग), जिसके परिणामस्वरूप धूम्रपान पूरी तरह से छोड़ने के बजाय निकोटीन की लत बनी रहती है।

15. वेपिंग या तंबाकू का उपयोग छोड़ने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए भारत में क्या सहायता उपलब्ध है?

भारत में, तंबाकू या निकोटीन उत्पादों को छोड़ने की कोशिश कर रहे व्यक्ति सरकार द्वारा समर्थित कई धूम्रपान-मुक्ति सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 'राष्ट्रीय तंबाकू-मुक्ति हेल्पलाइन सेवा' का संचालन करता है, जो टोल-फ्री नंबर 1800-11-2356 के माध्यम से परामर्श और धूम्रपान छोड़ने में सहायता प्रदान करती है। भारत का कार्यक्रम' जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की एक प्रमुख मोबाइल स्वास्थ्य पहल है, उपयोगकताओं को मुफ्त मोबाइल-आधारित सहायता के माध्यम से तंबाकू छोड़ने में भी मदद करता है। 011-22901701 पर केवल एक मिस्ड कॉल देकर, उपयोगकर्ता हिंदी या अंग्रेजी में रटर के माध्यम से अपनी जरूरत के अनुसार व्यवहार-संबंधी सहायता संदेश प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। भारत में देश भर में 2,000 से अधिक 'तंबाकू-मुक्ति केंद्र' भी हैं। जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और दंत चिकित्सा संस्थानों में स्थित ये केंद्र, तंबाकू और निकोटीन की लत छोड़ने की कोशिश कर रहे व्यक्तियों की सहायता के लिए परामर्श और औषधीय उपचार प्रदान करते हैं, जिसमें 'निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी' भी शामिल है। इसके अलावा, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लोगों को तंबाकू और निकोटीन वाले उत्पादों–जिनमें सिगरेट, बिना धुएं वाला तंबाकू, और ई-सिगरेट व वेप जैसे नए उत्पाद शामिल हैं–को छोड़ने में मदद करने के लिए Quit Tobacco App लॉन्च किया है।

16. क्या भारत में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट की कानूनी तौर पर बिक्री और खरीद की जा सकती है?

नहीं। भारत ने 'इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम'), 2019 के तहत ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कानून पूरे देश में ई-सिगरेट के निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन पर रोक लगाता है। इस कानून के तहत, ई-सिगरेट बेचने या उसका विज्ञापन करने पर पहली बार अपराध करने पर 1 साल तक की जेल, 1 लाख तक का जुमार्ना, या दोनों हो सकते हैं। बार-बार अपराध करने पर 3 साल तक की कैद और 5 लाख तक का जुमार्ना हो सकता है। यहाँ तक कि ई-सिगरेट का भंडारण करने पर भी दंड का प्रावधान है, जिसमें 6 महीने तक की कैद या 50,000 तक का जुमार्ना शामिल है। यह प्रतिबंध सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और युवाओं में निकोटीन की लत को रोकने के उद्देश्य से लागू किया गया था।